RNI-UPHIN/2009/30721

गुरुवार 08 मई 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :35 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 01 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अपराध से नहीं बल्कि अपराधी के धर्म से नफरत

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 202 | गाजियाबाद, गुरुवार 08 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

पाक में घुसकर प्रहार, 25 मिनट: नौ आतंकी ठिकाने ध्वस्त

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सरकार और सेना ने पाकिश्तान और पाकिश्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में भारतीय सशस्त्र बलों की स्ट्राइक 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने के लिए कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह मौजूद थीं।

इस दौरान बताया गया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' रात एक बजकर पांच मिनट और एक बजकर 30 मिनट के बीच चलाया गया। इस दौरान आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेना ने पाकिश्तान के 100 किलोमीटर अंदर मिसाइल हमले किए और नौ आतंकी ठिकानों को ध्वश्त किया। भारत की स्ट्राइक की जद में पीओके में पांच और पाकिश्तान में चार आतंकी ठिकाने आए।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए पीओके के आतंकी शिविरों के बारे में विश्तार से बताया। उन्होंने कहा, 'मुजफ्फराबाद में शवाई नाला कैंप लश्कर-ए-तैयबा का कैंप है। 20 अक्तूबर, 2024 को सोनमर्ग, 24 अक्तूबर, 2024 को गुलमर्ग और 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को यहीं प्रशिक्षित किया गया था।' उन्होंने मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल कैंप पर स्ट्राइक की भी जानकारी दी, यह जैश-ए-मोहम्मद का कैंप है, जो हथियार, विस्फोटक और प्रशिक्षण केंद्र के रूप में काम करता है।

इसके साथ ही नियंत्रण रेखा (एलओसी) से 30 किलोमीटर दूर कोटली में गुलपुर कैंप को भी टारगेट किया गया। यह 20 अप्रैल, 2023 को पुंछ हमले और 9 जून, 2024 को तीर्थयात्रा बस हमले से जुड़े लश्कर आतंकियों का ठिकाना था। इसके अलावा भिमबेर में बरनाला कैंप को भी ध्वश्त किया गया, यह हथियारों और आईईडी की सप्लाई का केंद्र और ट्रेनिंग सेंटर था। ऐसे ही एलओसी से 13 किमी दूर एक अन्य कोटली कैंप में 15 आतंकवादियों की क्षमता वाले लश्कर के फिदायीन को प्रशिक्षित किया जाता था। इसे भी ध्वश्त किया गया।

'लक्ष्यों का चयन विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं के आधार पर हुआ'

इससे पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में संसद हमले, मुंबई हमले, पुलवामा हमले और पहलगाम हमले के दृश्य दिखाए गए। सबसे पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इसके बाद कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की पूरी जानकारी साझा की। उन्होंने बतायास कि ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए वीभत्स आतंकी हमले के शिकार नागरिकों और उनके परिवारों को न्याय देने के लिए किया गया। नौ ठिकानों की पहचान कर उन्हें बर्बाद किया गया। इन ठिकानों में आतंकियों को प्रशिक्षित किया जाता था। ये आतंकियों के लॉन्च पैड थे। ऑपरेशन सिंदूर के लिए इन लक्ष्यों का चयन विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं के आधार पर हुआ। इसमें यह ध्यान रखा गया कि रिहाइशी इलाकों और आम नागरिकों को नुकसान न पहुंचे।

ध्वस्त ठिकानों की सूची

1. मरकज सुभान अल्लाह, बहावलपुर (जैश)
2. मरकज तैयबा, मुरीदके (लश्कर)
3. सरजाल, तेहरा कलां (बहावलपुर) (जैश)
4. महमूना जोया सुविधा, सियालकोट (हिजबुल)
5. मरकज अहले हदीस बरनाला, भीमबेर (लश्कर)
6. मरकज अब्बास, कोटली (जैश)
7. मस्कर राहील शाहिद, कोटली (हिजबुल)
8. शावई नाला कैंप, मुजफ्फराबाद (लश्कर)
9. मरकज सैयदना बिलाल, मुजफ्फराबाद (जैश)

'भारत ने आतंकी हमलों को रोकने के अपने अधिकार का प्रयोग किया'

इससे पहले विक्रम मिस्त्री ने कहा, '22 अप्रैल 2025 को लश्कर-ए-तैयबा से पाकिश्तान से प्रशिक्षित आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर बर्बरतापूर्ण हमला किया। 25 भारतीयों और एक विदेशी नागरिक को कायरतापूर्ण तरीके से मार दिया गया। यह मुंबई हमले के बाद आतंकी हमलों में आम नागरिकों के मारे जाने की सबसे गंभीर घटना रही। इस हमले में वहां मौजूद लोगों को करीब से और उनके परिवार के सामने सिर पर गोली मारी गई। परिवार के सदस्यों को जानबूझकर आघात पहुंचाया गया। यह नसीहत भी दी गई कि वे हमले का संदेश पहुंचाएं। यह जम्मू-कश्मीर में बहाल हो रही सामान्य स्थिति को बाधित करने के लिए हुआ। इस हमले का उद्देश्य पर्यटन को प्रतिकूल रूप से नुकसान पहुंचाना था। पिछले साल यहां पौने करोड़ पर्यटक आए थे। आतंकियों का यह मकसद था कि इस इलाके को पिछड़ा रखा जाए।

हमले का यह तरीका जम्मू-कश्मीर और अन्य राज्यों में साम्प्रदायिक दंगे भड़काने के उद्देश्य से भी था। हमने प्रयासों को विफल कर दिया। एक समूह ने खुद को रजिस्टेंस फ्रंट कहते हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। यह प्रतिबंधित समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के समक्ष रिपोर्ट में इस संगठन के बारे में इनपुट दिए थे। इससे पाकिश्तान के आतंकी समूहों के मुखौटे के रूप में टीआरएफ की भूमिका सामने आई थी।'

पाकिस्तान ने क्या कबूला?

भारत की कार्रवाई के बाद सबसे पहले पाकिश्तान के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस के डायरेक्टर जनरल अहमद शरीफ चौधरी का बयान आया। इस बयान में चौधरी ने स्वीकार किया कि भारत की एयर स्ट्राइक बहावलपुर के अहमद ईस्ट एरिया में सुभानउल्लाह मस्जिद, कोटली और मुजफ्फराबाद में हुई है। उन्होंने यह भड़काऊ बयान भी दिया कि हम जवाब देंगे। बाद में पाकिश्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की तरफ से भी बयान आया, जिसमें उन्होंने कबूल किया कि पाकिश्तान में पांच जगहों पर हमला किया गया है। वहीं, पाकिश्तान मीडिया में आ रही खबरों में वहां के लोगों ने ही स्वीकार किया कि मिसाइल स्ट्राइक में मसूद अजहर का मदरसा तबाह हो चुका है।

'पहलगाम हमला आतंकवाद को अंजाम देने के पाकिस्तान के लंबे ट्रैक रिकॉर्ड से जुड़ा'

उन्होंने आगे कहा, 'पहलगाम हमला भारत में सीमा पार आतंकवाद को अंजाम देने के पाकिश्तान के लंबे ट्रैक रिकॉर्ड से जुड़ा है। पाकिश्तान दुनियाभर में आतंकियों की शरणस्थली के रूप में पहचान बना चुका है। वहां आतंकी सजा पाने से बचे रहते हैं।

साजिद मीर को पाकिश्तान ने मृत घोषित कर दिया था, अंतरराष्ट्रीय दबाव में वह जीवित पाया गया, इससे स्पष्ट उदाहरण मिलता है। पहलगाम हमले के बाद भारत के सभी राज्यों में आक्रोश देखा गया। यह आवश्यक समझा गया कि हमले के आरोपियों और योजनाकारों को न्याय के कटघरे में लाया जाए।

पाकिश्तान ने कार्रवाई करने के लिए कोई स्पष्ट कदम नहीं उठाया। भारत के विरूद्ध आगे भी हमले होने का खतरा है, इसलिए इससे निपटना आवश्यक समझा गया।' 'भारत ने सीमा पार हमलों को रोकने और उनका प्रतिरोध करने के अपने अधिकार का प्रयोग किया'

विदेश सचिव ने कहा कि आज सुबह भारत ने सीमा पार हमलों को रोकने और उनका प्रतिरोध करने के अपने अधिकार का प्रयोग किया।

सेना ने पाक को दिया मुंहतोड़ जवाब : खड़गे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर की गई साहसिक कार्रवाई की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने इस ऑपरेशन के जरिए सीमापार आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया है, जिस पर देश को गर्व है।

खड़गे ने भारतीय सैनिकों के साहस, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रभक्ति को सलाम करते हुए कहा, "हम अपने जांबाज सैनिकों के पराक्रम को नमन करते हैं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सशस्त्र बलों और सरकार के साथ एकजुटता दिखाते हुए आतंकवाद के खिलाफ हर निर्णायक कार्रवाई का समर्थन किया है।" उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान और पीओके से उत्पन्न होने वाले आतंकवाद के सभी रूपों के विरुद्ध भारत की राष्ट्रीय नीति बहुत स्पष्ट और अडिग है। महान भारत देश की राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा के लिए सभी श्तर पर एकजुटता की सर्वाधिक जरूरत है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस देश के वीर जवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। इतिहास गवाह है कि हमारे नायकों ने हमेशा राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए, देश की एकता और अखंडता के लिए अपनी शहादत तक दी है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक का जिक्र करते हुए खड़गे ने कहा, "आज हमने वर्किंग कमेटी की बैठक बुलाई थी। देश में हाल की घटनाओं को देखते हुए सरकार जो कदम उठा रही है।

मोदी ने राष्ट्रपति मुर्मु से मिलकर ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर उन्हें भारतीय सेनाओं द्वारा पाकिश्तान और पाकिश्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को ध्वश्त करने के लिए चलाये गये ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन सचिवालय ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर यह जानकारी देते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी।" इससे पहले प्रधानमंत्री ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की और केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति की बैठक में भी इस पर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकवादी हमले का करारा जवाब देते हुए भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने मंगलवार देर रात पाकिश्तान और पाकिश्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 25 मिनट तक ताबड़तोड़ हमले कर नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वश्त कर दिया।

सीबीआई निदेशक का कार्यकाल एक वर्ष बढाया गया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सरकार ने केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल आगामी 24 मई से एक वर्ष के लिए और बढा दिया है। केन्द्रीय कार्मिक, जन शिकायत और प्रशिक्षण मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने सीबीआई के निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल 24 मई से एक वर्ष के लिए बढाने को मंजूरी दे दी है। श्री सूद भारतीय पुलिस सेवा के 1986 बैच के अधिकारी हैं। उल्लेखनीय है कि श्री सूद का कार्यकाल 24 मई को समाप्त होने वाला था और उनकी जगह नये निदेशक का चयन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कुछ दिन पहले ही बैठक हुई थी। इस बैठक में चयन समिति के सदस्यों में शामिल लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने भी हिस्सा लिया था।

जांच के दौरान ईडी की ओर से एकत्रित दस्तावेजों, बयानों की प्रति आरोपी को पाने का हक : न्यायालय

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने निष्पक्ष सुनवाई की संवैधानिक गारंटी को रेखांकित करते हुए बुधवार को कहा कि किसी आरोपी को जांच के दौरान प्रवर्तन निदेशालय द्वारा एकत्र किए गए दश्तावेजों और बयानों की प्रति पाने का हक है। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष की शिकायत पर संज्ञान लिये जाने के बाद, मामले से निपटने वाले विशेष न्यायाधीश को निर्देश देना चाहिए कि प्रक्रिया के साथ-साथ शिकायत और दश्तावेजों की एक प्रति आरोपी को दी जाए। इसमें कहा गया, ''जांच अधिकारी ने जिन बयानों, दश्तावेजों, भौतिक वश्तुओं पर भरोसा नहीं किया है, उनकी सूची की प्रति भी आरोपी को दी जानी चाहिए।'' यह फैसला धनशोधन के एक मामले में आरोपी सरला गुप्ता द्वारा दायर याचिका पर आया।

देश के विभिन्न शहरों में हुआ मॉकड्रिल, कई जगह ब्लैक आउट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। पाकिश्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच लोगों को हवाई हमलों की स्थिति में राहत और बचाव के प्रति जागरुक करने और प्रशिक्षित करने के लिये केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा विभिन्न राज्यों को भेजे गये निर्देश के अनुसार बुधवार को देश के विभिन्न शहरों में सिविल डिफेंस के तहत मॉकड्रिल (अभ्यास) आयोजित किये गये। आज शाम को 244 जिलों में ब्लैक आउट का भी अभ्यास किया गया। इस दौरान सिविल डिफेंस, पुलिस होमगार्ड और अन्य सरकारी एजेंसियों के लोग अभ्यास में शामिल थे।

भारतीय एयरलाइंस ने 200 से अधिक उड़ानें रद्द कीं, 18 हवाई अड्डों पर परिचालन अस्थायी रूप से बंद

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पाकिश्तान और पाकिश्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मंगलवार देर रात सशस्त्र बलों द्वारा मिसाइल हमले किए जाने के बाद लगाए गए प्रतिबंधों के कारण 200 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं और श्रीनगर सहित कम से कम 18 हवाई अड्डों पर परिचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। एअर इंडिया, इंडिगो, स्पाइसजेट, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और कुछ विदेशी एयरलाइनों ने विभिन्न हवाई अड्डों के लिए अपनी सेवाएं रद्द कर दीं।

सूत्रों ने बताया कि देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में कम से कम 18 हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इनमें श्रीनगर, लेह, जम्मू, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, जोधपुर, जैसलमेर, शिमला, धर्मशाला और जामनगर शामिल हैं। सूत्र के अनुसार, एयरलाइनों ने विभिन्न हवाई अड्डों से आने-जाने वाली 200 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं जिनमें अकेले इंडिगो ने लगभग 160 उड़ानें रद्द की हैं।

एअर इंडिया ने कहा, ''विमानन अधिकारियों द्वारा इन हवाई अड्डों को बंद करने की अधिसूचना जारी किए जाने के बाद जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट जैसे हवाई अड्डों से आने-जाने वाली एअर इंडिया की उड़ानें 10 मई को 05:29 बजे (भारतीय समयानुसार) तक रद्द की जा रही हैं।''

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में एयरलाइन ने यह भी कहा कि इस अवधि के दौरान यात्रा के लिए वैध टिकट रखने वाले यात्रियों को पुनर्निर्धारण शुल्क पर एक बार की छूट या रद्द के लिए पूर्ण धन वापसी की पेशकश की जाएगी। इंडिगो ने कहा कि मौजूदा स्थिति के मद्देनजर श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, लेह, चंडीगढ़, धर्मशाला, बीकानेर और जोधपुर से आने-जाने वाली उड़ानें दिनभर के लिए रद्द कर दी गई हैं।

एयरलाइन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हमें अपने नेटवर्क में उड़ान कार्यक्रम में बदलाव की आशंका है और सभी ग्राहकों को सलाह देते हैं कि वे हवाई अड्डे पर जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त करें।'' 'एक्स' पर साझा की गई जानकारी में स्पाइसजेट ने कहा कि धर्मशाला, लेह, जम्मू, श्रीनगर और अमृतसर सहित उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में हवाई अड्डे अगले आदेश तक बंद रहेंगे। प्रस्थान, आगमन और परिस्थितिवश अन्य उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। प्रभावित यात्री उपलब्धता के अनुसार पूर्ण धनवापसी या वैकल्पिक उड़ान का विकल्प चुन सकते हैं।

एक सूत्र ने बताया कि देश के सबसे बड़े और व्यश्ततम हवाई अड्डे दिल्ली हवाई अड्डे से रात 12 बजे से कम से कम 35 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सूत्र ने बताया कि 23 प्रस्थान और आठ आगमन संबंधी घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इसके अलावा, चार अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान संबंधी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। अमेरिकन एयरलाइंस सहित विदेशी एयरलाइनों ने दिल्ली हवाई अड्डे से अपनी कुछ सेवाएं रद्द कर दी हैं।

आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार के साथ सपा : अखिलेश यादव

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है।

इसे लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दो टूक कहा कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए उनकी पार्टी सरकार के साथ है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा है कि ऑल पार्टी मीटिंग फिर होना तय हुआ है, जो हमारी पार्टी से सुझाव होगा, वह देंगे। सजग रहते हुए ही सीमा की सुरक्षा हो सकती है।

सरकार जो फैसला लेना चाहे, ठोस कदम उठाना चाहे आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए, हमारी पार्टी सरकार के साथ है। उन्होंने कहा कि भारत की सुरक्षा को लेकर कोई चूक, कोई स्वीकार नहीं कर सकता है। हमें अपनी सेना और सशस्त्र बलों पर पूरा भरोसा है। उन्हीं की वजह से हम सुरक्षित माहौल में रह पा रहे हैं।

अखिलेश ने कहा कि कुछ लोग कहते थे कि अब नए तरीके का युद्ध है और इसमें फौज की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका परिणाम यह हुआ कि 'अग्निवीर' जैसी व्यवस्था लागू हुई थी, जो स्थायी नहीं है, लेकिन वे ही लोग अब परंपरागत तरीकों को क्यों अपना रहे हैं?

उन्होंने कहा कि कस्टोडियल डेथ में यूपी नंबर एक है। कौन आजादी दे रहा है? जब आप विधानसभा में बोल देंगे ठोक दो, तो यही होगा।

पाकिस्तान की नागरिक क्षेत्रों में भारी फायरिंग में 15 निर्दोष लोगों की मौत,सेना का करारा जवाब

✷ वेबवार्ता. श्रीनगर ✷

पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेनाओं के पाकिश्तान और पाकिश्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी शिविरों पर सटीक हमलों के बाद बौखलाया पाकिश्तान जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर देर रात से भारी गोलाबारी कर रहा है जिसमें पुंछ और तंगधार में 15 निर्दोष लोगों की मौत हो गयी और 43 अन्य घायल हो गये।

भारतीय सेना ने भी पाकिश्तान की अंधाधुंध फायरिंग का मुंहतोड़ जवाब दिया है और पाकिश्तानी चौकियों पर हमले में कई पाकिश्तानी सैनिकों के मारे जाने की खबर है। सेना ने एक बयान में यह जानकारी दी है।

सेना ने कहा है कि हताश पाकिश्तानी सेना ने पुंछ और तंगधार क्षेत्रों में नागरिक ठिकानों और आबादी को निशाना बनाकर फायरिंग की है।

सेना ने कहा कि वह पाकिश्तान की अंधाधुंध फायरिंग का करारा जवाब दे रही है। इससे पहले, देर रात के बाद ही भारत ने पाकिश्तान और पाकिश्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।

बीकानेर में ज्वेलरी शॉप में सिलेंडर ब्लास्ट, 3 की मौत

वेबवार्ता. बीकानेर। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार को एक ज्वेलरी शॉप में एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि कुछ के अभी भी अंदर फंसे होने की आशंका है।

पुलिस और स्थानीय लोग लगातार रेस्क्यू कर रहे हैं। ब्लास्ट इतना भीषण था कि शॉप में रखा सामान सड़क तक उड़कर आ गया। घटना में घायल पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सिटी कोतवाली के पास स्थित मथुरा मार्केट में हुई है। मथुरा मार्केट में स्थित बिल्डिंग में कई छोटी-छोटी शॉप हैं, जहां सोने-चांदी के गहने बनाए जाते हैं। इन शॉप में एलपीजी गैस सिलेंडर का उपयोग किया जाता है। घटना के समय कई लोग अंडरग्राउंड में काम कर रहे थे।

मुठभेड़ में 22 नक्सलियों को किया ढेर

✷ वेबवार्ता. बीजापुर ✷

छत्तीसगढ़ के बीजापुर की करेंगुट्टा पहाड़ी पर जारी 'नक्सल उन्मूलन ऑपरेशन' के सोलहवें दिन बुधवार को सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली जब उन्होंने मुठभेड़ में 22 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया। इनमें से अब तक 22 नक्सलियों के शव बरामद किए जा चुके हैं।

नक्सलियों के मूवमेंट की पुष्टि ड्रोन कैमरे से लिए फोटो में भी हो रही है। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के आखिरी गढ़ करेंगुट्टा की पहाड़ियों पर जमा नक्सलियों को सुरक्षाबलो ने चौतरफा घेरे हुए हैं। इस ऑपरेशन पर दिल्ली से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक (डीजी) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह भी नजर बनाए हुए हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) (नक्सल ऑप्श) विवेकानंद सिन्हा, सीआरपीएफ के महानिरीक्षक (आईजी) राकेश अग्रवाल व बश्तर के आईजी पी. सुंदरराज भी मुठभेड़ की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उम्मीद है शाम तक जवान ऐतिहासिक सफलता की ओर बढ़ सकते हैं। नक्सलियों को उनके मांद में डीआरजी कोबरा, सीआरपीएफ और एसटीएफ के बहादुर जवान मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर स्थित करेंगुट्टा की पहाड़ी के पास सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ अभी जारी है। सुरक्षा बलों द्वारा बड़े श्तर पर नक्सल-विरोधी ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

बीजापुर जिले और उससे सटे तेलंगाना सीमा पर पिछले सोलह दिनों नक्सली अभियान जारी है।

संक्षिप्त समाचार

इस मदर्स डे पर कैलिफोर्निया आमंड्स के पोषण से अपनी माँ को दीजिये सेहत का तोहफा

भोपाल, एजेंसी। माँ का प्यार और देखभाल हर दिन हमें ताकत देता है, और इसे जताने के लिए एक दिन काफी नहीं है। इस मदर्स डे पर, आइए हम अपनी माँ की देखभाल करें। इसके लिए एक बेहद आसान तरीका है कैलिफोर्निया आमंड्स को उनकी रोज की आदत में शामिल करना। बादाम माँ को दिनभर की थकान में ऊर्जा देंगे, उनकी सेहत का खयाल रखेंगे और उनकी त्वचा को भी पोषण देंगे। कैलिफोर्निया आमंड्स किंग ऑफ नट्स कहा जाता है। इसमें 15 जरूरी पोषकतत्व होते हैं, जैसे कि प्रोटीन, ज़िंक, मैग्नीशियमऔर विटामिन ई। अपनी माँ की रोजाना की आदम में मुट्ठीभर बादाम शामिल करके आप उनके ब्ल ड शुगर लेवल्स को नियमित रख सकते हैं, उनके दिल की सेहत में मदद कर सकते हैंऔर उनकी त्वचा को ज्योदा चमकदार बना सकते हैं। साथ ही बादाम से उन्हें अपना वजन नियंत्रित रखने और एनर्जी पाने में भी मदद मिलेगी। इस मदर्स डे पर कैलिफोर्निया आमंड्स को माँ का खास साथी बनाएं। जब माँ सबकी देखभाल करती हैं, तब बादाम उनकी सेहत का खयाल रखेंगे। उन्हें दिखाएं कि उनकी सेहत हमारे लिए कितनी अहम है, और उन्हें पौष्टिक बादाम का खूबसूरत तोहफा दें। बॉलीवुड अभिनेत्री और सेलेब्रिटी सोहा अली खान ने कहा, ''सेहत मेरे लिए हमेशा अनमोल खजाना रहा है। मैं रोज़ अपनी सेहत का ख्याल रखने की कोशिश करती हूँ। बचपन में मैं अपनी माँ को उनकी सेहत के लिए अच्छा गिफ्ट देती थी, और यह परंपरा मैं हर मदर्स डे पर निभाती हूँ। मुझे माँ के लिए ऐसी मिठाई बनाना पसंद है जो स्वादिष्ट, पौष्टिक और सेहतमंद हो। इस मिठाई को और खास बनाने के लिए मैं उसमें कैलिफोर्निया आमंड्स मिलाती हूँ। बादाम में जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो स्वाद और सेहत का शानदार मेल देते हैं। सबसे खास बात, मेरी बेटी भी अब मेरी तरह सेहतमंद तोहफे चुनने लगी है।''

कोस्टाओ के प्रचार के लिए नवाजुद्दीन सिद्दीकी भोपाल पहुँचे

भोपाल, एजेंसी। भोपाल इस गर्मी के मौसम में बॉलिवुड के ग्लैमर में डूब गया, जब नवाजुद्दीन सिद्दीकी ज़ी5 पर स्ट्रीम हो रही अपनी नई फिल्म, कोस्टाओ को प्रमोट करने के लिए शहर में पहुँचे। उन्होंने अपनी इस विज़िट में लोगों से खुलकर चर्चा की, कोस्टाओ के बारे में बताया, इसमें अपने किरदार की जानकारी दी तथा भोपाल के खाने एवं महौं की मेहमाननवाजी के अपने गहरे प्रेम के बारे में बताया, जिसकी वजह से वो बार-बार भोपाल आना चाहते हैं। फिल्म और अपने सफ़र के बारे में बात करते हुए नवाजुद्दीन ने बताया कि, कोस्टाओ एक ऐसी कहानी है जो शूटिंग खत्म होने के बाद भी मेरे अंदर समा सी गई है। कोस्टाओ फर्नांडीज जैसे किरदार जो बहुत दबाव के बावजूद अपने सिद्धांतों पर कायम रहता है, ऐसे किरदार को निभाने से मुझे अनुशासन, जुनून और निडरता के सही मायने पता चले। मुझे खुशी है कि मैं उसकी कहानी को पर्दे पर ला सका। दर्शकों से जो प्यार और प्रतिक्रिया मिली है, उससे मैं बहुत खुश हूं, और उम्मीद करता हूं कि जैसे उन्होंने मेरे पिछले किरदारों को पसंद किया है, वैसे ही इस बार भी अपना प्यार बनाए रखेंगे। साथ ही अपने शहर के दौरे के अनुभव के बारे में नवाज ने कहा कि, भोपाल हमेशा से ही बहुत अपनापन और गर्मजोशी से स्वागत करता है। जब भी मैं यहां आता हूं, तो यहां का स्ट्रीट फूड ज़रूर खाता हूं।कोस्टाओ का निर्देशन सेजल शाह ने किया है। यह एक दिलचस्प बायोग्राफिकल क्राइम ड्रामा है, जो 1990 के गोवा में गलियों की धूप और छांवदार पृष्ठभूमि में आगे बढ़ता है। कोस्टाओ फर्नांडिस (नवाजुद्दीन सिद्दीकी) सिद्धांतों पर चलने वाले कस्टम अधिकारी हैं, जो सोने की तस्करी करने वाले एक ताकतवर गिरोह के खिलाफ कार्रवाई के संघर्ष में पूरी तरह से उलझ जाते हैं। वो अपने अटल नैतिक सिद्धांतों और दृढ़ साहस के साथ अपनी नौकरी, अपनी सुरक्षा और अपने परिवार तक को जोखिम में डाल देते हैं, लेकिन सही के साथ खड़े रहते हैं। इस फिल्म को उनकी बेटी की नजर से पेश किया गया है, जो भावनाओं, एक्शन और सस्पेंस के साथ आगे बढ़ती है तथा आपको ईमानदारी, विश्वासघात एवं साहस के सफर पर ले जाती है। यह केवल एक कहानी नहीं है, बल्कि हर उस योद्धा के लिए एक सैल्यूट है, जो कभी झुकता नहीं है।

हिमाचल में घरेलू सहायिकाएं भी पाएंगी सम्मान निधि; कैबिनेट के बड़े फैसले

शिमला, एजेंसी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में प्रदेशवासियों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सरकार ने कैबिनेट की बैठक में घरेलू कार्य करने वाली महिलाओं को 'इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना' में शामिल करने का निर्णय लिया है। इसके तहत वे महिलाएं जिन्होंने घरेलू सहायिका के रूप में न्यूनतम 100 दिन का काम किया है, वे योजना की पात्र होंगी। साथ ही इन महिलाओं की 21 साल या उससे अधिक उम्र की बेटियों को भी 1500 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी।

राज्य सरकार ने प्राकृतिक पद्धति से उगाई गई फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। अब प्राकृतिक गेहूं का एमएसपी 40 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये प्रति किलोग्राम कर दिया गया है। मक्की के लिए यह दर 30 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये की गई है। इसी तरह प्राकृतिक रूप से उगाई गई कच्ची हल्दी का समर्थन मूल्य 90 रुपये और चंबा जिले के पांगी क्षेत्र में उगाई गई जौ का एमएसपी 60 रुपये तय किया गया है।

पांगी को प्रदेश का पहला प्राकृतिक खेती उप-मंडल घोषित किया गया है।

बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा और बेरोजगारों को स्वरोजगार के अवसर देने के उद्देश्य से मंत्रिमंडल ने निजी ऑपरेटरों को 422 स्टेज कैरिज रूट आवंटित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को मजबूत बनाएगा।

मंत्रिमंडल ने शहरी क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम और सड़क किनारे पार्किंग की समस्या से निपटने के लिए बंद बेसमेंट फ्लोर को पार्किंग के लिए खोलने की अनुमति दी है। यदि पार्किंग फ्लोर का प्रयोग किसी अन्य कार्य के लिए किया गया तो उस पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा और फ्लोर को दोबारा पार्किंग उपयोग के लिए बहाल करना होगा।

कैबिनेट ने डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, हमीरपुर में नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग आरंभ करने को मंजूरी दी है। इन विभागों के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न श्रेणियों के 118 नए पदों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा राज्य के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों में 43 तकनीकी पदों को भरने का निर्णय भी बैठक में लिया गया। इससे कृषि अनुसंधान और विस्तार कार्यों को गति मिलेगी।

जल प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए हमीरपुर जिले के सुजानपुर में जल शक्ति विभाग का नया मंडल स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार ने नई होमस्टे नीति को मंजूरी दी है। इसके तहत चंबा जिले के पांगी उपमंडल में होमस्टे रजिस्ट्रेशन शुल्क मानक दर का केवल 50 प्रतिशत ही लिया जाएगा। कैबिनेट ने कांगड़ा जिले के जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र के कोसरी में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र को 10 बिस्तरों वाले आयुर्वेदिक अस्पताल में अपग्रेड करने और ऊना जिले के पंजावर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बदलने का फैसला लिया। दोनों स्थानों पर जरूरी पद भी सृजित किए जाएंगे। सरकार ने नवगठित 14 नगर पंचायतों और स्तरोन्नत नगर निगम क्षेत्रों के निवासियों को अगले तीन वर्षों तक ग्रामीण दरों पर जल शुल्क देने का निर्णय लिया है। इसमें नादौन, बैजनाथ-पपरोला, ज्वालामुखी, देहरा, पांवटा-साहिब, ज्वाली जैसे क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। बैठक में सात स्टेट ऑफ आर्ट (एसओए) आईटीआई और सात महिला आईटीआई को अन्य निकटवर्ती आईटीआई में विलय करने को मंजूरी मिली है। प्रदेश कैबिनेट ने जेलों में बंद उन कैदियों के लिए नई नीति को मंजूरी दी है जो अच्छे आचरण का परिचय दे रहे हैं। मंत्रिमंडल ने तय किया है कि ऐसे कैदियों को निर्धारित सजा पूरी होने से पहले प्रोबेशन यानी निगरानी पर रिहा किया जाएगा। हालांकि यह रिहाई पूरी तरह सशर्त होगी और रिहा होने के बाद उनका व्यवहार व गतिविधियां लगातार निगरानी में रहेंगी। रिहाई के बाद अपराध में लिप्त पाए जाने वालों को वापस जेल भेजा जाएगा।

गाजियाबाद में एनकाउंटर, पुलिस ने गोलीबारी के बाद 4 को पकड़ा

गाजियाबाद एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के क्रासिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में खड़ी कारों से लैपटॉप और नकदी चुराने के चार आरोपियों को पुलिस ने एक मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया, जिनमें दो पुलिस की गोली लगने से घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि चारों तरफ से घिर जाने के बाद आरोपियों ने पुलिस पर गोली चलाई थी, जिस कारण पुलिस को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इसमें दो बदमाशों को गोली लगी है। वेव सिटी की सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) प्रियांशी पाल ने बताया कि मुठभेड़ क्रासिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में सोमवार/मंगलवार की रात करीब 1:30 बजे हुई। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने हाई-राइज सोसायटी के पास खड़ी एक ऑटो-रिक्शा और दो मोटरसाइकिलों को घेर लिया, जहां चार संदिग्ध ऑटो के अंदर बैठे हुए थे और लक्ष्य की तलाश कर रहे थे। पाल ने बताया कि पुलिस टीम को देखकर संदिग्धों ने मोटरसाइकिलों पर भागने की कोशिश की, लेकिन वायरलेस अलर्ट के बाद एक अन्य गश्ती दल ने उन्हें रोक लिया। घेरे जाने पर संदिग्धों ने पुलिस पर गोलियां चला दीं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलायी, जिससे दो संदिग्धों को पैर में गोली लग गई।

पाल ने बताया कि अन्य दो को बिना किसी चोट के पकड़ लिया गया। आरोपियों की पहचान करण जाट उर्फ सोनू, अनीस, निजाकत अली और गोविंद कश्यप के रूप में हुई है। सभी की उम्र 30 साल के आसपास है। पूछताछ के दौरान उन्होंने ऑर्बिट प्लाजा के पास खड़ी दो गाड़ियों से एक लैपटॉप और 45,000 रुपये की नकदी से भरा बैग चुराने की बात कबूल की। पुलिस ने दो देसी पिस्टल, दो इस्तेमाल किए गए कारतूस, एक जिंदा कारतूस और लोहे की गेंदों के साथ तीन लोहे की गुलेल बरामद की, जिनका इस्तेमाल दूर से कार की खिड़की के शीशे तोड़ने के लिए किया गया था। एसीपी ने बताया कि आगे की जांच जारी है।

कब होगी नोएडा-ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो की शुरुआत? केंद्रीय मंत्री ने बताया

नोएडा एजेंसी। नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बीच मेट्रो को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। केंद्रीय शहरी आवास और ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने इसकी जल्द शुरुआत करने का वादा किया है। सांसद डॉ. महेश शर्मा और दादरी विधायक तेजपाल नागर के नेतृत्व में मंगलवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय शहरी आवास और ऊर्जा मंत्री से मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने वादा किया कि वह मेट्रो की इस परियोजना को जल्द पूरा कराएंगे। नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लिए चलने वाली मेट्रो की परियोजना लंबे समय से अटकी हुई है। इसको लेकर कई बार कवायद शुरू की गई, लेकिन अब तक यह परियोजना धरातल पर नहीं उतर सकी। एक माह पहले सांसद डॉ. महेश शर्मा ने यह मामला संसद में भी उठाया था।

इसके बाद एक सप्ताह में ही इसके लिए बैठक आयोजित कर निर्णय लेने का दावा किया गया था, लेकिन अब तक निर्णय नहीं हो सका। मंगलवार को सांसद और विधायक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कर कहा कि इस परियोजना को शीघ्र पूरा कराया जाए। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि ग्रेनो वेस्ट की मेट्रो की लाइन को सीधा बॉटेनिकल गार्डन से जोड़ा जाए, ताकि लोगों के लिए दिल्ली आना-जाना आसान हो सके। विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि इस पर केंद्रीय मंत्री ने उनसे लिखित में प्रस्ताव लेकर आश्वस्त किया है कि इस पर गंभीरता से विचार करेंगे और परियोजना को जल्द प्रारम्भ कर मेट्रो का संचालन कराएंगे। प्रतिनिधिमंडल में सांसद और विधायक के साथ मुकेश चौहान, संदीप शर्मा, लोकेश त्यागी, दीपक यादव आदि शामिल रहे।

देश के अंदर भी दुश्मन ढेर, छत्तीसगढ़ में 15 नक्सलियों को मार गिराया, पहाड़ी पर घिरे हैं 1000 नक्सली

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में जारी नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षाबलों ने 15 से ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के करेंगुट्टा की पहाड़ियों और छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित पहाड़ियों में 21 अप्रैल को 'मिशन संकल्प' नाम से अभियान शुरू किया गया, जिसमें लगभग 24 हजार जवान शामिल हैं। अभियान की समीक्षा कर रहे एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, तलाशी अभियान जारी है और अगले कुछ घंटों में अधिक जानकारी दी जाएगी। जानकारी के मुताबिक पहाड़ियों पर हजार नक्सलियों को घेरा गया है।

ऐसे में एक तरफ जहां ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जहां पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह किया गया है तो वहीं ऑपरेशन संकल्प के जरिए देश के अंदर छिपे दुश्मनों को निशाना बनाया जा रहा है। अधिकारी ने ऑपरेशन संकल्प के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के तहत आज सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई जिसमें 15 से अधिक नक्सलियों को ढेर कर दिया गया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इससे पहले सोमवार को सुरक्षाबलों ने एक वर्दीधारी महिला नक्सली को मार गिराया था और घटनास्थल से हथियार और अन्य सामान बरामद किए थे। वहीं 24 अप्रैल को तीन महिला नक्सली के शव बरामद किए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि बीजापुर जिले के दक्षिण पश्चिम सीमावर्ती क्षेत्र के जंगल में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना के बाद सुरक्षा बल के जवानों को नक्सल विरोधी अभियान पर रवाना किया गया था।

उन्होंने बताया कि बताया कि बस्तर क्षेत्र में शुरू किए गए सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियानों में से एक इस अभियान में जिला रिजर्व गार्ड, बस्तर फाइटर्स और छत्तीसगढ़ पुलिस के एसटीएफ, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और क मांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा) के जवान समेत विभिन्न इकाइयों के जवान शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान अंतरराज्यीय सीमा पर बीजापुर (छत्तीसगढ़) और मुलुगु और भद्राद्री-कोठागुडेम (तेलंगाना) के दोनों ओर लगभग आठ सौ वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैले दुर्गम इलाके और घने जंगल में जारी है। यह स्थान राजधानी रायपुर से 450 किलोमीटर दूर है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा की 100 जगहों पर होगी मॉकड्रिल

नोएडा-ग्रेटर एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में जारी तनाव के बीच मेट्रो स्टेशन, मॉल, स्कूल, होटल, विश्वविद्यालय समेत जिले के 100 से अधिक स्थानों पर बुधवार को मॉकड्रिल होगी। सीआईएसएफ के साथ एनटीपीसी दादरी की मुख्य रूप से तैयारियां परखी जाएंगी। गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद गौतमबुद्ध नगर जिले में भी मॉकड्रिल होगी।

पहले जिले को सूची में शामिल नहीं किया गया था,लेकिन यूपी के डीजीपी के आदेश के बाद पुलिस मंगलवार को तैयारियों में जुट गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मॉकड्रिल के लिए करीब पांच सौ पुलिसकर्मियों को लगाया जाएगा। मॉकड्रिल सुबह दोपहर 11 बजे से होगी, जो कई घंटे तक चलेगी। सड़कों पर भी अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

प्रशासन,पुलिस,फायर ब्रिगेड,मेडिकल टीम और अन्य विभागों की इसमें भागीदारी होगी। आपसी समन्वय स्थापित कर टीमें यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगी कि किसी हमले या आपदा के समय सभी एजेंसियां एक-दूसरे से तालमेल बनाकर तेजी से काम कर सकें। जिले में मेट्रो स्टेशनों पर होने वाली ड्रिल में सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) की टीमें भी शामिल रहेंगी। इसी तरह,स्कूलों और मॉल में प्रशासन की टीमें और अन्य सुरक्षा एजेंसियां संयुक्त रूप से ड्रिल करेंगी। नेशनल थर्मल पॉवर कार्पोरेशन (एनटीपीसी) दादरी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) समेत भारत सरकार के प्रमुख सार्वजनिक उपक्रमों में भी इसका अभ्यास किया जाएगा। आपात स्थिति से निपटने और नागरिकों को तुरंत उपचार के लिए कासना स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) ने भी तैयारी कर ली है। संस्थान में नागरिकों को प्राथमिक उपचार के लिए 100 बेड आरक्षित किए गए हैं। इनमें फिलहाल 30 वेंटिलेटर बिस्तर हैं, जबकि जरूरत पड़ने पर संस्थान में 100 वेंटिलेटर की व्यवस्था है। इसके अलावा तीन महीने की दवाइयों का स्टॉक भी जमा कर लिया गया है। इनमें एंटीबायोटिक्स समेत प्राथमिक उपचार में प्रयोग होने वाली दवाइयां व बैंडेज इत्यादि शामिल है। संस्थान में पांच ऑक्सीजन प्लांट हैं, जिनकी क्षमता एक हजार टन है, जबकि वर्तमान खपत मात्र 300 टन की बताई गई है। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एंबुलेंस की भी व्यवस्था की गई है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देवप्रयाग में की पूजा-अर्चना

देवप्रयाग , एजेंसी। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान उत्तराखंड के दौरे पर हैं। अपने इस आध्यात्मिक यात्रा के दौरान उन्होंने देवप्रयाग पहुंचकर मां गंगा की विधिवत पूजा-अर्चना की और उत्तराखंड सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की खुलकर प्रशंसा की। देवप्रयाग पहुंचने पर शिवराज सिंह चौहान ने सबसे पहले अलकनंदा और भागीरथी नदियों के संगम स्थल पर पूजा-अर्चना की। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देवप्रयाग वह पुण्यभूमि है जहां अलकनंदा और भागीरथी नदियों का संगम होता है और यहीं से गंगा नदी की शुरुआत मानी जाती है। इस पवित्र स्थल पर आकर उन्होंने आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने संगम तट पर चल रहे सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि देवप्रयाग का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को एक सुंदर, सुव्यवस्थित और दिव्य वातावरण मिल रहा है। इस कार्य के लिए उन्होंने स्थानीय विधायक विनोद कंडारी की मेहनत और प्रयासों की सराहना की। भूमिका निभाई है। शिवराज सिंह चौहान ने उत्तराखंड में हो रहे समग्र विकास की भी सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की नेतृत्व क्षमता की तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में उत्तराखंड निरंतर प्रगति की दिशा में बढ़ रहा है।

आरक्षण कार्यकर्ता जरांगे ने मराठा समुदाय को नुकसान पहुंचाया है : भुजबल

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री छगन भुजबल ने मंगलवार को मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे पर तीखा हमला करते हुए उन पर उस समुदाय को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया, जिसके हितों की रक्षा का दावा वे करते हैं। साथ ही उन्होंने गांवों में सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का भी आरोप लगाया। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के प्रमुख नेता भुजबल ने महाराष्ट्र में लंबे समय से विलंबित स्थानीय निकाय चुनाव कराने और उनमें ओबीसी के लिए आरक्षण देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि 'किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है।' जरांगे के फिर से सक्रिय होने के बारे में पूछे जाने पर भुजबल ने कहा, ''उनकी सक्रियता से कोई लाभ नहीं हुआ है। वास्तव में उन्होंने मराठा समुदाय को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने राज्य भर के गांवों में शांति भंग की है।'' जरांगे ने मराठा आरक्षण के लिए एक सप्ताह पहले राज्य सरकार के खिलाफ फिर से विरोध प्रदर्शन करने के लिए अगस्त के आखिरी सप्ताह में मुंबई तक रैली निकालने की घोषणा की थी। पिछले दो वर्षों में कई बार भूख हड़तालें कर चुके जरांगे ओबीसी श्रेणी के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग कर रहे हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद हाई अलर्ट पर राजस्थान, कई जिलों की स्कूलों में छुट्टी

जयपुर, एजेंसी। भारत की ओर से मंगलवार देर रात पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक करने के बाद देशभर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद राजस्थान के बॉर्डर वाले जिलों बीकानेर, जैसलमेर और बाड़मेर में स्कूलों को बंद कर दिया गया है, जबकि जयपुर समेत 28 शहरों में बुधवार को राष्ट्रव्यापी नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है। इस दौरान एहतियात के तौर पर 2 एयरपोर्ट को बंद रखा गया है।

बीकानेर में जिला कलेक्टर के आदेश पर बुधवार की परीक्षा स्थगित कर दी गई है। हालांकि गुरुवार और आगे की परीक्षाओं को लेकर स्थिति देर शाम तक स्पष्ट की जाएगी। टीचर्स को लेकर कोई विशेष आदेश जारी नहीं हुआ है, ऐसे में उन्हें नियमित रूप से स्कूल जाना होगा। वहीं, बुधवार को प्रस्तावित मॉक ड्रिल में शिक्षकों की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है।

जयपुर शहर को मॉक ड्रिल के तहत 'मध्यम संवेदनशील' श्रेणी में रखा गया है। शाम 4 बजे राजभवन, सचिवालय, बीएसएनएल ऑफिस सहित 11 स्थानों पर एकसाथ सायरन बजने के साथ मॉक ड्रिल की शुरुआत होगी, जबकि रात 8 बजे शहर में पूर्ण ब्लैकआउट किया जाएगा। बिजली विभाग शहर की स्ट्रीट लाइट, हाईवे, टोल लाइट आदि को बंद करेगा। नागरिकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इनवर्टर, मोबाइल टॉर्च और वाहनों की हेडलाइट का उपयोग न करें। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को बैकअप पावर सिस्टम के साथ तैयार रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि इमरजेंसी सेवाओं में कोई व्यवधान न आए। यह मॉक ड्रिल 1971 के बाद अब तक की सबसे व्यापक अभ्यास के रूप में देखी जा रही है।

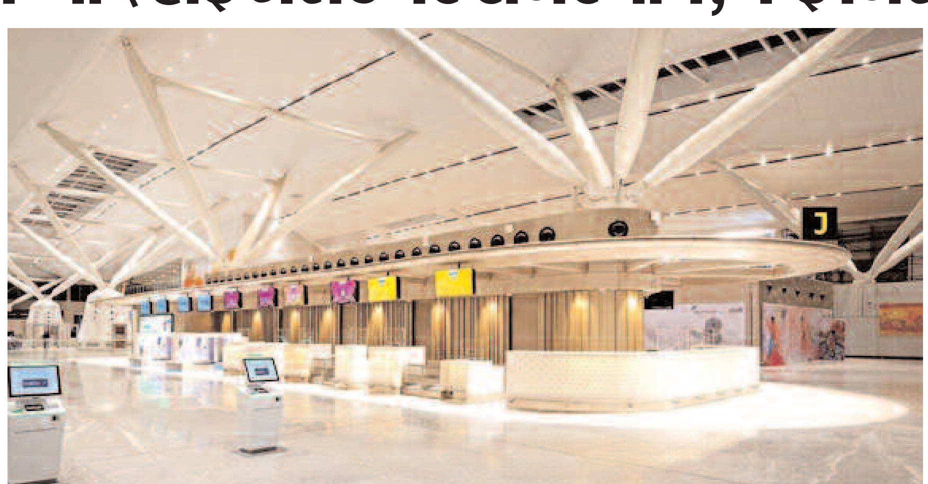

जयपुर एयरपोर्ट पर भी असर देखा गया है। पाकिस्तान की सीमा के नजदीक जाने वाली चार फ्लाइट्स को रद्द कर दिया गया है। इनमें चंडीगढ़ और मस्कट की उड़ानें शामिल हैं। बीकानेर और जोधपुर एयरपोर्ट को भी एहतियातन बंद कर दिया गया है। अजमेर दरगाह के दीवान के बेटे नसरुद्दीन चिश्ती ने एयर स्ट्राइक पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ये नया भारत है जो शब्दों से नहीं, जवाबी कार्रवाई से बात करता है। यह आतंकी संगठनों और उन्हें शरण देने वाली सरकारों को सीधा संदेश है। फिलहाल राजस्थान समेत देशभर में सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और आमजन से सहयोग की अपील की गई है।

विधवा महिला को मारपीट कर घर से निकला, महिला ने पुलिस प्रशासन से लगाई गुहार

✷ **एनसीआर टुडे. धामपुर** ✷। नगर के मोहल्ला महल सराय में पारिवारिक विवाद को लेकर एक महिला ने परिजनों

पर मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस को नाम जद तहरीर देकर कार्यवाही की गुहार की है। नगर के मोहल्ला महल सराय निवासी रेशमा खातून के पति की मौत हो चुकी है ।वह अपनी 11 साल की बेटी के साथ घर में रहती है। रेशमा खातून ने आरोप लगाते हुए बताया की सोमवार की रात घर के अन्य सदस्यों नरगिस पत्नी फिरोज, फिरोज मोहम्मद शरीफ, इकरार ,शोएब आदि ने उसके साथ मारपीट करते हुए घर से निकाल दिया ।घटना के बाद पीड़िता थाने पहुंची और पुलिस को नाम जद तहरीर देकर कार्यवाही की गुहार की। परिजनों ने बताया कि रेशमा खातून और उसकी सगी बहन नरगिस का निकाह एक ही परिवार में हुआ है। वह आपस में दो रानी -जेठानी है। परंतु पारिवारिक विवाद को लेकर उनमें आए दिन झगड़ा होता रहता है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो वाहन चोर गिरफ्तार, एक बाइक बरामद

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी पुलिस ने बुधवार सुबह निठोरा रोड अंडरपास के पास से चेकिंग के दौरान दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र से चुराई गई बाइक बरामद हुई है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पुलिस टीम निठोरा अंडरपास के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक बाइक पर सवार दो युवकों को चेकिंग के लिए रोका गया। जांच में बाइक के चोरी होने का पता चला। पुलिस टीम दोनों को गिरफ्तार कर थाने ले आई। पूछताछ में इन्होंने अपने नाम अनस निवासी खन्ना नगर थाना अंकुर विहार व दिलशाद निवासी अशोक विहार थाना लोनी बताये। चोरों ने बाइक का ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र से चुराना स्वीकार किया है।

दबंगों ने दुकान में घुसकर हमला किया

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर की कृष्णाकुंज कॉलोनी में दबंगों ने दुकान में घुसकर दुकानदार को फरसा मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। कृष्णा कुंज कॉलोनी के रहने वाले अभिषेक का आरोप है कि रविवार शाम को वह अपनी दुकान के अंदर बैठे थे। इसी बीच तीन युवक आए और अचानक फरसे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसीपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर शिवा, राहुल त्यागी, तनिष निवासी कृष्णाकुंज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। इसके अलावा भूपेन्द्रपुरी कॉलोनी निवासी हर्ष को मारपीट कर घायल कर दिया।

बैंक से रुपये निकालने गई युवती लापता

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर में बैंक से रुपये निकालने गई युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने एक युवक पर अपहरण का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। नगर की धर्मपुरी कॉलोनी निवासी एक महिला ने बताया कि उसकी 20 वर्षीय पुत्री मंगलवार को बैंक से रुपये निकालने के लिए गई थी, लेकिन वापस नहीं आई। काफी तलाश करने के बाद भी वह नहीं मिली। परिजनों ने कॉलोनी निवासी विशाल पर अपहरण करने का आरोप लगाते हुए मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

कुत्ते के झपटने से घायल महिला की रीढ़ की हड्डी में रॉड पड़ी

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सुपरटेक इको विलेज-1 सोसाइटी में पालतू कुत्ते के झपटने से पोडियम से करीब 10 फीट नीचे गिरी महिला की रीढ़ की हड्डी का मंगलवार को ऑपरेशन कर रॉड डाली गई। उसको अब भी होश नहीं आया है। वह डॉक्टरों की निगरानी में है। एन-2 टावर निवासी महिला अथर सोमवार की सुबह सोसाइटी में बने पोडियम पर घूम रही थी। इसी दौरान सामने से एक महिला मंदिरा मित्रा अपना पालतू कुत्ता लेकर आ रही थी। पालतू कुत्ते ने महिला अथर की तरफ काटने के लिए हमला किया। कुत्ते के डर से महिला पोडियम से नीचे गिर गई थी। घटना में महिला की रीढ़ की हड्डी टूट गई। घायल महिला के पति मुनीब की शिकायत पर बिसरख पुलिस ने मंदिरा मित्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। उसे गिरफ्तार कर जमानत पर छोड़ दिया गया। मुनीब ने बताया कि उनकी पत्नी अथर की हालत अब भी ठीक नहीं है। डॉक्टर ने मंगलवार रात को उनकी पत्नी का ऑपरेशन किया। अथर के होश में आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। उसकी हालत काफी नाजुक है। सोसाइटी निवासी संजय शर्मा ने बताया कि परिसर में नियमों का पालन न होने के कारण घटना हुई। इस घटना के बाद से सभी लोग काफी डरे हुए हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से राजमिस्त्री की मौत

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। बीटा दो कोतवाली क्षेत्र में चूहड़पुर अंडरपास के समीप एक अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे राजमिस्त्री को कुचल दिया। हादसे में राजमिस्त्री की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात वाहन चालक पर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक चूहड़पुर गांव में छोटेलाल अपने परिवार के साथ रहता था। वह राजमिस्त्री का काम करता था। पुलिस ने बताया कि शनिवार को वह काम कर घर लौट रहा था। चुहड़पुर अंडरपास के समीप किसी अज्ञात वाहन ने छोटेलाल को टक्कर मार दी। हादसे में उसकी दर्दनाक मौत हो गई। अब इस मामले में मृतक की पत्नी ने अज्ञात वाहन चालक पर मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस आरोपी वाहन चालक की तलाश में जुटी है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर लोनी विधायक

नंदकिशोर गुर्जर ने मनाया शौर्य दिवस, सेना को किया नमन

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ की गई सटीक और निर्णायक कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देशभर में उत्साह और गौरव का माहौल है। इसी क्रम में गाज़ियाबाद की लोनी विधानसभा सीट से विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने भारतीय सेना की वीरता को नमन करते हुए आज के दिन को 'शौर्य दिवस' के रूप में मनाने की अपील की।

विधायक गुर्जर ने कहा कि भारतीय सेना ने देर रात पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की उस रणनीति की सराहना की, जिसके चलते यह सफल ऑपरेशन अंजाम दिया गया। विधायक ने कहा कि भारत की सेना ने न केवल सीमा पार बैठे आतंकियों को मार गिराया, बल्कि देश के भीतर बैठे उन लोगों को भी करारा जवाब दिया है जो पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाते हैं और भारतीय सेना पर सवाल उठाते हैं। विधायक गुर्जर ने कहा कि जो लोग पहलगाम जैसे हमले को केंद्र सरकार की साजिश बता रहे थे, उन्हें सेना ने करारा जवाब दिया है। यह हमला आतंकियों के खात्मे और राष्ट्रविरोधी तत्वों को जवाब देने का एक ऐतिहासिक उदाहरण है।

"विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने अपने समर्थकों और स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' के नारों के साथ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाया।

उन्होंने स्थानीय जनता से अपील की कि वे हर वर्ष 7 मई को उन वीर जवानों को समर्पित करें जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाज़ी लगाई।

लूट और गांजा तस्करी करने वाले दो सगे भाई गिरफ्तार, एक बदमाश घायल

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

नोएडा में हथियारों से लैस होकर चोरी की मोटरसाईकिल से लूट, गांजा की तस्करी व बाइक चोरी करने वाले एक गिरोह के दो शातिर बदमाशों को आज थाना फेस-1 पुलिस ने दिन-दहाड़े एक मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। इसमें से एक बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हुआ है।

दोनों बदमाशों के खिलाफ जनपद के विभिन्न थानों में 14 मुकदमें दर्ज है। दोनों बदमाश सगे भाई बताये जा रहे हैं। थाना फेस-1 क्षेत्र में पुलिस व बदमाशों के बीच दिन-दहाड़े हुए मुठभेड़ के बारे में जानकारी देते हुए एडीसीपी नोएडा सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि आज दोपहर को थाना फेस-1 पुलिस द्वारा सेक्टर-14 के नाले के पास संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन की चेकिंग की जा रही थी।

इसी दौरान दिल्ली की तरफ से एक स्प्लेंडर मोटर साइकिल पर सवार 2 व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। जिन्हें पुलिस टीम द्वारा रूकने का इशारा किया गया। उक्त मोटर साइकिल सवार वापस पीछे मोड़कर सेक्टर-14 के पीछे से दिल्ली की तरफ जाने वाले गंदे नाले की पटरी पर भागने का प्रयास करने लगे।

पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर अचानक मोटर साइकिल सवार व्यक्ति की मोटर साइकिल फिसल कर गिर गई। अपने आप को पुलिस से घिरता देख बदमाशों ने अपने पास लिए तमंचे से पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर किया।

उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। जिसकी पहचान नीरज पुत्र दर्शन के रूप में हुई है। एडीसीपी ने बताया कि बदमाश के दूसरे साथी को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया जिसकी पहचान सूरज पुत्र दर्शन के रूप में हुई है।

अभियुक्त नीरज के कब्जे से एक तमंचा 32 बोर तथा एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी व लूट के 2 मोबाइल, चोरी की एक मोटर साइकिल बरामद हुई है। जिसके संबंध में थाना सरायख्वाजा फरीदाबाद हरियाणा में अभियोग पंजीकृत है। उन्होंने बताया कि घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

अभियुक्त नीरज के विरूद्ध लगभग 8 अभियोग पंजीकृत है व अभियुक्त सूरज के विरूद्ध लगभग 6 मुकदमें पंजीकृत है। अभियुक्तों के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही हैं।

बैठक में पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷

समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर बुधवार को पार्टी की मासिक बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में पार्टी को बूथ श्तर पर मजबूत करने के लिए विश्तार से चर्चा की गई।

जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि भाजपा शासनकाल में गरीब, मजदूर, किसान, व्यापारी सभी वर्ग परेशान है, आज सरकार द्वारा जनता की बुनियादी समस्याओं और जरूरतों की अनदेखी की जा रही है। राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा पिछड़े और दलितों के हक को छीनने का काम किया जा रहा है और पीडीए समाज का शोषण किया जा रहा है। सरकार आरक्षण को खत्म करने की साजिश कर रही है। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष इन्दर प्रधान, सुनील भाटी, जगवीर नम्बरदार, सुधीर तोमर, कपिल ननका, कृष्णा चौहान, देवेंद्र अवाना आदि कार्यकर्ता मौजूद रहें।

एयर स्ट्राइक पर मनाया जश्न

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। अखिल भारतीय हिंदू महासभा व विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा द्वारा पाकिस्तान पर भारत द्वारा की गई एयर स्ट्राइक को लेकर जश्न मनाया गया। संगठन के कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय, भारतीय सेना के जाबांज सपूतों के जयकारों लगाए। महासभा के अध्यक्ष बीके शर्मा हनुमान ने कहा कि भारत द्वारा पाकिस्तान से लिए गए बदले पर गर्व महसूस हो रहा है।

22 अप्रैल को पाकिस्तान के इशारे पर आतंकियों ने पहलगाम में देश के 27 सपूतों की हत्या कर दी थी। उसी दिन से प्रत्येक देशवासी का खून पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए खौल रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से वादा किया था कि इसका बदला पाकिस्तान से अवश्य लिया जाएगा। अब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत एयर स्ट्राइक कर आंतकियों के ठिकाने ध्वश्त कर बदला लिया।बी के शर्मा हनुमान ने कहा कि भारतीय सेना का तो विश्व में कोई मुकाबला कर ही नहीं सकता है।

पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए तो देश-देश का बच्चा-बच्चा भी पूरी तरह से तैयार है। इस अवसर पर परमार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष वीके अग्रवाल, डॉ. लोकेश कौशिक, डीआर देवेंद्र कुमार शर्मा, आरसी शर्मा, संजू शर्मा, विनीत कुमार शर्मा, हरिओम शर्मा आदि सैकड़ों की संख्या में मौजूद थे।

बाल मजदूरी के खिलाफ पुलिस का बड़ा अभियान, 668 बच्चों का किया गया रेस्क्यू

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर बाल मजदूरी के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई कर रही है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन और डीसीपी महिला सुरक्षा के पर्यवेक्षण में जिले में लगातार ऐसे मामलों पर निगरानी रखी जा रही है। इसी अभियान के तहत 1 जनवरी 2023 से 30 अप्रैल 2024 के बीच कुल 668 नाबालिग बच्चों का रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

पुलिस की सतर्कता के चलते होटल, ढाबा और अन्य व्यावसायिक स्थलों पर मजदूरी में लगे बच्चों की पहचान की गई। चिन्हित स्थानों पर विशेष अभियान चलाकर जबरन बाल श्रम में लगाए गए बच्चों को मुक्त कराया गया।

इनमें 165 बच्चे होटल और ढाबों से, जबकि 502 बच्चे अन्य स्थानों से रेस्क्यू किए गए। एक विशेष घटना में, 11 नवंबर 2024 को थाना सेक्टर-142 क्षेत्र की एक सोसायटी में एक फ्लैट के अंदर नाबालिग बच्ची से जबरन घरेलू कार्य कराए जाने की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थानीय पुलिस टीम ने छापा मारकर बच्ची को सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया था।

फ्लैट मालिक और उसकी पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस ने न सिर्फ बच्चों को छुड़ाया, बल्कि उनके पुनर्वास के लिए भी कदम उठाए हैं। कई सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से इन बच्चों को शिक्षा, चिकित्सा और अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उनके परिजनों को चेतावनी दी गई है कि भविष्य में यदि बच्चों से मजदूरी कराई गई, तो कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा, पुलिस टीम समय-समय पर रेस्क्यू किए गए बच्चों की काउंसलिंग भी कर रही है। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर को बाल मजदूरी मुक्त बनाने की दिशा में पुलिस लगातार झुग्गी बश्तियों और संवेदनशील क्षेत्रों में जाकर लोगों को जागरूक कर रही है। अभिभावकों से अपील की जा रही है कि वे अपने बच्चों को मजदूरी की बजाय शिक्षा दिलाएं, जिससे वे समाज की मुख्यधारा से जुड़कर एक बेहतर भविष्य की ओर बढ़ सकें।

पुलिस ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किया मार्क ड्रिल

एनसीआर टुडे. अफजलगढ़। पूर्व निर्धारित सरकारी गाइडलाइंस के अनुसार नगर अफजलगढ़ में पुलिस ने अधिकारियों के साथ किया मॉक ड्रिल।

कई विभाग के अधिकारी रहे मौजूद। बीते दिनों पाकिस्तान के आतंकवादियो द्वारा पहलगाम में मारे गए 26 हिंदुओ के विरोध में भारत ने कमर कस ली है।जिसके चलते जंहा पाकिस्तानी आतंकवादी ठिकानों पर रात में भारतीय सेना ने हमला बोल 9 ठिकानों को उजाड़ दिया। वहीं देश पर की पुलिस ने मॉक ड्रिल कर भारत की जनता को जागरूक किया। वहीं युद्ध की शितथि में बचाव के सुझाव दिए।इस दौरान पुलिस के माध्यम से चेतावनी सायरन बजाये गए।

हवाई हमले का मॉक ड्रिल आयोजित कर बच्चों को जागरूक किया

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

एमबी गर्ल्स इंटर कॉलेज, गाजियाबाद में एक काल्पनिक हवाई हमले का मॉक ड्रिल आयोजित किया गया। यह ड्रिल गृह मंत्रालय के आदेशानुसार की गई, जिसका उद्देश्य स्कूली छात्रों के माध्यम से आम जनता को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था। यह मॉक ड्रिल जिले के 10 विभिन्न स्कूलों में आयोजित की गई।

इस ड्रिल के तहत बच्चों को हवाई हमले के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई, साथ ही रेड अलार्म और ग्रीन अलार्म की कार्यप्रणाली भी समझाई गई। इस अवसर पर गाजियाबाद के जिलाधिकारी स्वयं मौजूद रहे और पूरी प्रक्रिया का अवलोकन किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए ताकि आपातकालीन स्थिति में विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके।

हवाई हमले की स्थिति में आम नागरिकों के लिए जो सुरक्षा निर्देश दिए गए उनके मुताबिक चेतावनी मिलते ही तत्काल प्रतिक्रिया दें।

चकबंदी अधिकारियों से अभद्रता पर दस किसानों के खिलाफ केस दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

मोदीनगर के कस्बा फरीदनगर में चकबंदी अधिकारियों के साथ अभद्रता और मारपीट के मामले में पुलिस ने बुधवार को दस किसानों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं, किसानों ने भी चकबंदी अधिकारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है।

बता दें कि कस्बा फरीदनगर में स्थित नगर पंचायत कार्यालय परिसर में गत 28 अप्रैल को चकबंदी विभाग के अधिकारी किसानों के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में तीन सौ से अधिक किसान मौजूद थे।

बैठक में कुछ किसानों ने चकबंदी कराने पर सहमति जताई और कुछ असहमति। बताया जा रहा है कि चकबंदी अधिकारी असहमति जताने वाले किसानों को समझा रहे थे।

इसी दौरान किसानों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। आरोप है कि हंगामा करने वाले किसानों ने फाइलें फाड़ दीं और अधिकारियों से अभद्रता की। हंगामा बढ़ता देखकर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया।

इस संबंध में चकबंदीकर्ता मुकेश कुमार ने भोजपुर थाने में तहरीर दी। एसीपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने सोमपा, शमशाद, संजीव तोमर, प्रेमपाल, पुलकित निवासी कस्बा फरीदनगर व पांच अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो विवाहिताओं ने ससुरालियों पर लगाए दहेज उत्पीड़न और छेड़छाड़ के आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷

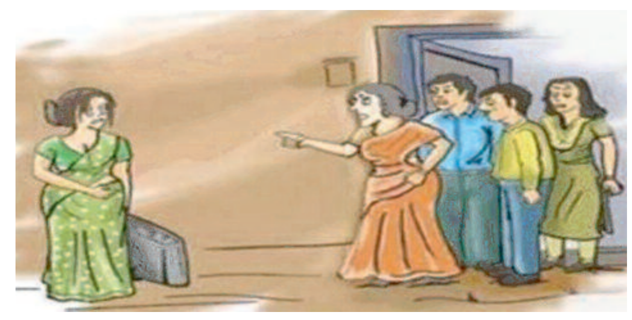

ग्रेटर नोएडा के दो थानों में दहेज की मांग को लेकर विवाहिताओं ने ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। थाना सूरजपुर में एक महिला डॉक्टर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए उसका उत्पीड़न कर रहे हैं, तथा उसके साथ मारपीट करते हैं।

वहीं ग्रेनो वेस्ट के एक गांव में रहने वाली विवाहिता ने थाना बिसरख में अपने ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज उत्पीड़न और ससुर द्वारा छेड़छाड़ करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस दोनों मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि डॉक्टर एकता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वर्ष 2024 के जुलाई माह में उसकी शादी आकाश गौतम के साथ हिंदू रीति रिवाज से हुई। पीड़िता के अनुसार वह जनपद मथुरा में दंत चिकित्सक के रूप में कार्य करती है। महिला का आरोप है की शादी के समय से ही उसके ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहे हैं।

दहेज की मांग पूरी ना होने पर उसके साथ मारपीट कर, उसका लगातार उत्पीड़न कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले में डॉक्टर की शिकायत पर उनके पति आकाश गौतम, ससुर हरि प्रकाश, सास शोभा गौतम ननद निहारिका गौतम, मनमोहन गौतम तथा जेपी गौतम के खिलाफ दहेज उत्पीड़न सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्रेनो वेस्ट के एक गांव में रहने वाली महिला ने थाना बिसरख में अपने ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज उत्पीड़न और ससुर पर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया।

पुलिस ने आरोपी ससुर और पति समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। महिला का आरोप है कि 16 अप्रैल को ससुर ने उसके साथ छेड़छाड़ की और गलत काम करने का प्रयास किया।

इसके बाद उसे तीन दिन तक घर में बंधक बनाकर रखा गया। पिता बेटी के ससुराल पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी उसे दहेज के लिए भी परेशान करते हैं। दहेज में गाड़ी और पैसे की मांग की जा रही है।

हवाई हमलों से बचाव के लिये मेट्रो स्टेशन, स्कूल व एनटीपीसी में हुआ मॉकड्रिल

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

भारत और पाक के बीच उत्पन्न तनाव की स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देश पर आम जनता को हवाई हमलों के प्रति जागरूक करने के लिए पुलिस, प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियों, मेडिकल टीम तथा अन्य विभाग द्वारा बुधवार को जनपद गौतमबुद्ध नगर के नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में मॉकड्रिल किया गया।

मॉकड्रिल स्कूलों, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, एलजी कंपनी, हायर कंपनी, गौर सिटी मॉल, मेट्रो स्टेशन बोटैनिकल गार्डन तथा एनटीपीसी दादरी में हुआ। आज पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन एवं सुरक्षा एजेंसियों द्वारा नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) दादरी में हवाई हमले से बचाव के लिए मॉकड्रिल किया गया।

इस दौरान डीएम मनीष कुमार वर्मा ने प्रशासन, पुलिस, फायर ब्रिगेड, मेडिकल टीम एवं सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों से कहा कि यह मॉकड्रिल इस उद्देश्य से की गई है कि हमला होने की स्थिति में समस्त संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए इस प्रकार कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे की कोई भी जनहानि या संसाधन इससे प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि हवाई हमले की स्थिति में सूझबूझ के साथ स्थिति को संभालना है व सुरक्षित रहने का हर संभव प्रयास करना है।

उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में घबराहट, भगदड़ आदि की परिस्थितियां उत्पन्न न होने दें। वहीं डीएम ने जनपद वासियों से कहा कि हवाई हमले की आशंका को ध्यान में रखते हुए आज यह मॉकड्रिल कराया गया है तथा आप लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। मॉक ड्रिल, टीवी, रेडियो, समाचार पत्रों, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से ऐसी परिस्थितियों से बचाव के उपाय देखें।उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय द्वारा हवाई हमले से बचाव के लिए जारी की गई गाइडलाइन का अध्ययन करते हुए उसका पालन करें।

इसी कड़ी में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में जनपद के दिल्ली पब्लिक स्कूल नोएडा, कोठारी इंटरनेशनल स्कूल नोएडा, इंडस वैली पब्लिक स्कूल नोएडा, मिहिर भोज इंटर कॉलेज दादरी, एमिटी इंटरनेशनल स्कूल नोएडा तथा अन्य स्कूलों में भी हवाई हमले से बचाव के लिए मॉक ड्रिल करते हुए छात्र-छात्राओं को हवाई हमले के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां के विषय में विश्तार से बताया गया। मॉक ड्रिल के दौरान एनटीपीसी दादरी में एडीएम प्रशासन मंगलेश दुबे, एसडीएमी दादरी अनुज नेहरा, डीसीपी साद मियां खान, मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार, सीआइएसएफ सिक्योरिटी विंग आरपी सिंह, सीआईएसफ फायरिंग एसके मिश्रा, स्टेट फायर विंग, बीडीडीएस व डॉग स्क्वाट, एनटीपीसी मेडिकल स्टाफ, एनटीपीसी जीएम गुरु प्रसाद सिंह तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उद्घोषणा यंत्र और वीडयो स्क्रीन जांची गईं

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

आपात स्थिति से निपटने के लिए बुधवार को शहर के 82 चौराहे-तिराहे पर लगे पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम यानि उद्घोषणा यंत्र और 20 स्थान पर लगी वीडियो स्क्रीन को जांचा गया। गंभीर स्थिति में पुलिस तुरंत इनका इश्तेमाल करेगी।

नोएडा प्राधिकरण ने इंटेलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के तहत शहर में करीब 82 चौराहों पर कैमरे लगवा रखे हैं। इन कैमरों के जरिए यातायात नियम तोड़ने वालों के चालान किए जाते हैं।

इन्हीं सब चौराहों पर उद्घघोषणा सिस्टम लगा है। इस सिस्टम के जरिए यातायात पुलिस नियमों का पालन करने के लिए वाहन चालकों को जागरूक करती है। इनमें रिकॉडिड मैसेज चलते रहते हैं। अब पाकिस्तान से चल रहे तनाव के बीच अगर कोई गंभीर स्थिति उत्पन्न होती है तो पुलिस इनका इश्तेमाल लोगों को जरूरी जानकारी देने के लिए करेगी। डीसीपी यातायात लखन यादव ने बताया कि इन सभी सिस्टम को चेक कर लिया गया है। ये ठीक ढंग से काम कर रहे हैं। लोगों को गंभीर स्थिति में जरूरी जानकारी देने के लिए इनका इश्तेमाल किया जाएगा। करीब 20 जगह लगी वीडियो स्क्रीन के जरिए भी मैसेज जनता तक पहुंचाए जाएंगे। डीसीपी ने बताया कि इनके अलावा और कई श्तर पर तैयारी की जा रही है।

संपादकीय

...बंदूकों की गोली का उत्तर सद्भाव नहीं होता

कवि हरिओम पंवार ने अपनी एक कविता में क्या खूब कहा है कि- '...नागफनी पर बेला चंपा कभी नहीं खिलने वाले। पत्थर की आंखों में आंसू कभी नहीं मिलने वाले। बंदूकों की गोली का उत्तर सद्भाव नहीं होता। हत्यारों के लिए अहिंसा का प्रश्ताव नहीं होता। कोई विषधर कभी शांति के बीज नहीं बो सकता है। और भेड़िया शाकाहारी कभी नहीं हो सकता है।

'पंवार जी यह कविता पाकिश्तान पर बिलकुल सटीक बैठती है, क्यों कि पाकिश्तान वह नागफनी (आतंकवाद) है, जिसको बार-बार समझाने पर भी उसमें कोई बदलाव नहीं आता है। हाल ही में भारतीय सेना ने पाकिश्तान पर एयर स्ट्राइक कर उसे यह संदेश देने का काम किया है कि 'हत्यारों के लिए अहिंसा का कोई प्रश्ताव नहीं होता है।'

पाठकों को बताता चलूं कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के मात्र दो सप्ताह के भीतर भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिश्तान और पीओके के 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की, हम सभी को भारत की इस सख्त कार्रवाई पर गर्व है।

पाठक जानते हैं कि ये हमले मंगलवार- बुधवार की दरम्यानी रात(6-7 मई 2025) को बहावलपुर, मुरीदके, बाघ, कोटली और मुजफ्फराबाद में किए गए। पहले भारत की पाकिश्तान पर वाटर स्ट्राइक, बाद में वीजा रद्द और अब 'ऑपरेशन सिंदूर', यह सब दर्शाता है कि भारत किसी भी हाल और परिस्थितियों में आतंकवाद और आतंकियों को नेश्तनाबूत करके छोड़ेगा। भारत की आतंकवाद के प्रति नीति हमेशा हमेशा से 'जीरो टोलरेंस' यानी कि 'शून्य सहनशीलता' की रही है।

पाठक जानते होंगे कि बैसरन घाटी जिसे 'मिनी स्विटज़रलैंड' के नाम से भी जाना जाता है, 22 अप्रैल, 2025 की दोपहर को अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठी थी और इस दौरान कुछ आतंकियों ने मिलकर घाटी की खूबसूरती को पर्यटकों के खून से रंग दिया था। इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले में जहां 26 लोगों की मौत हो गई थी वहीं, 16 लोग घायल भी हुए थे। भारत ने इसी का बदला लेते हुए आतंकवाद और आतंकियों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया है और अब पाकिश्तान भारत की इस कार्रवाई के बाद तिलमिला रहा है।

भारतीय सेना ने रात करीब दो बजे 'ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, और पाकिश्तान और पाकिश्तान के कब्जे वाले कश्मीर(पीओके) में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। यहां पाठकों को बताता चलूं कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने की कसम खाई थी और उन्होंने यह बात कही थी कि उनका 'दुनिया के अंत तक' पीछा किया जाएगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 29 अप्रैल, 2025 को सुरक्षा समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने सशस्त्र बलों को 'ऑपरेशनल फ्रीडम' प्रदान करते हुए यह बात कही थी कि 'थल सेना, नौसेना और वायुसेना को आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए किसी भी प्रकार की बाधा नहीं होगी। भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग है और सेनाएं इस खतरे को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए स्वतंत्र हैं।' बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय सेना ने एक पोस्ट में लिखा थाः 'प्रहाराय स्नहिताः, जब प्रशिक्षिताः।' यानी कि 'हमला करने के लिए तैयार, जीतने के लिए प्रशिक्षित।' यहां यह उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना द्वारा एयर स्ट्राइक के बाद सीमा पार अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय सेना द्वारा पाकिश्तान के सैन्य ठिकानों को टारगेट नहीं किया गया। वाश्तव में इस संदर्भ में भारतीय सेना ने संयम का परिचय दिया।

वाश्तव में भारत इस कार्रवाई का असल मकसद आंतक को खत्म करना है, न कि पड़ोसी मुल्क के साथ संघर्ष को बचाना। गौरतलब है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक संगठन 'द रेसिस्टेंस फ्रंट'(टीआरएफ) ने ली थी और भारत की एयर स्ट्राइक से लश्कर का मुख्यालय मिट्टी में मिल गया, तथा जैश के ठिकाने तबाह हो गए। दरअसल, भारतीय वायुसेना के हमलों में जैश-ए-मोहम्मद के 4, लश्कर-ए-तैयबा के 3 और हिज्बुल मुजाहिदीन के 2 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिश्तान के बहावलपुर से लेकर पीओके के कोटली तक आतंकियों के ठिकाने ध्वश्त कर दिए गए हैं। सच तो यह है कि भारत ने अपने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए पाकिश्तान के 100 किलोमीटर के दायरे में आतंकियों के 9 ठिकानों पर हमला कर उन्हें तबाह कर दिया। वाश्तव में सबसे बड़ा हमला बहावलपुर में किया गया, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 100 किमी अंदर स्थित है और यहां पर जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय है।

सांबा सेक्टर की सीमा से 30 किमी अंदर मुरीदके में भी लश्कर-ए-तैयबा का कैंप था, उसे भी भारतीय सेना द्वारा जमीन में मिला दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स बतातीं हैं कि तीसरा हमला गुलपुर में किया गया। पीओके के तंगधार सेक्टर में 30 किमी के अंदर सवाई जहां लश्कर का कैंप था, उसे भी निशाना बनाया गया है। यह कैंप 20 अक्टूबर 2024 को सोनमर्ग, 24 अक्टूबर 2024 को गुलमर्ग और 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार है। भारतीय सेना ने बिलाल कैंप(जैश-ए-मोहम्मद का लॉन्चपैड), लश्कर कोटली कैंप (लश्कर का बमबारी प्रशिक्षण केंद्र), बरनाला और सरजाल कैंप(जैश का कैंप) और महमूना कैंप (हिज्बुल मुजाहिदीन का ट्रेनिंग सेंटर) को निशाना बनाया और आतंकियों और पाकिश्तान को 'छठी का दूध' याद दिला दिया।

पाकिश्तान को यह याद रखना चाहिए कि भारत ने अपनी एयर स्ट्राइक आतंकवाद और आतंकियों पर की है और भारत का मकसद हमेशा-हमेशा से शांति, सद्भाव, अहिंसा, भाईचारे और इंसानियत के पाठ पढ़ाने का रहा है, (युद्ध का कभी नहीं), ताकि आने वाली नस्लों को जीने के लिए एक बेहतर जगह मिल सके। अंत में बशीर बद्र जी के शब्दों में पाकिश्तान को यही कहूंगा कि-'सात संदूक़ों में भर कर दफ़्न कर दो नफ़रतें। आज इंसाँ को मोहब्बत की ज़रूरत है बहुत।'

अपराध से नहीं बल्कि अपराधी के धर्म से नफ़रत

निर्मल रानी

उत्तरांचल का व्यश्त पर्यटक स्थल नैनीताल पिछले दिनों साम्प्रदायिकतावादियों के निशाने पर आ गया। ख़बरों के अनुसार 12 अप्रैल को नैनीताल में एक 12 वर्षीय नाबालिग़ लड़की के साथ उस्मान नामक एक वृद्ध आयु के आरोपी द्वारा कथित तौर पर बलात्कार किया गया।

पीड़िता की मां द्वारा घटना की रिपोर्ट 30 अप्रैल को मल्लीताल थाने में दर्ज कराई गई। आरोप है कि आरोपी उस्मान स्कूल से आते समय बालिका को बहला फुसलाकर कार में बिठाकर ले गया और उसने कार में ही बच्ची के साथ दरिन्दिगी की। पुलिस द्वारा आरोपी को फ़ौरन गिरफ़्तार कर जेल भेजा जा चुका है। परन्तु प्राथमिकी दर्ज होते ही थाने में ही हिंदूवादी संगठनों की भीड़ इकट्ठी होनी शुरू हो गयी। और उसी दिन देर रात से लेकर अगले दिन 1 मई तक इस घटना के विरुद्ध जो भीड़ द्वारा जो तांडव किया गया।

उसकी तो कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। उस्मान की दरिन्दिगी का बदला उसके समुदाय के लोगों से लिया जाने लगा। चुन चुनकर मुसलमानों के घरों व दुकानों में आग लगाई जाने लगी। अनेक मस्जिदें तोड़ी गयीं व कई आग के हवाले कर दी गईं। सड़कों पर जुलूस निकालकर समुदाय विशेष के विरुद्ध नारेबाज़ी की गयी।

इस घटना का एक अत्यंत सम्प्रदायिकतापूर्ण दुखद पहलू यह भी रहा कि जब हालात को नियंत्रित करने के लिये मल्लीताल थाने में तैनात उत्तराखंड पुलिस के वरिष्ठ सब इंस्पेक्टर मोहम्मद आसिफ़ ख़ान जो ड्यूटी पर तैनात थे, जब वहां पहुंचे तो उन्मादी भीड़ ने उन्हें भी घेर लिया। उनके साथ धक्का-मुक्की की और वर्दी का कॉलर पकड़ कर खींचने की कोशिश की। वे भी वहां प्रदर्शनकारियों की उग्रता का शिकार हो गए। उग्र भीड़ में कुछ लोग उनका नाम पूछते हुए अभद्रता धक्कामुक्की करते देखे गये। भीड़ ने केवल धार्मिक आधार पर उन पर निशाना साधा और उन्हें कोतवाली के अंदर तक घसीट ले गए और कोतवाली में भी हंगामा करते रहे।

इस घटना का वीडीओ भी सोशल मीडिया पसर शेयर हुआ और ख़ूब वायरल हुआ। इस घटना का दूसरा प्रभाव यह हुआ कि जो नैनीताल शांति व प्रकृतिक सौदर्य के लिये मशहूर था वह भी साम्प्रदायिकता व अचानक साम्प्रदायिक उपद्रव के नाम से कलंकित हो गया। इतना ही नहीं करोड़ों रूपये का पर्यटन प्रभावित हुआ। और ख़बर तो यह है कि अगले महीने यानी जून तक की बुकिंग अनेक पर्यटकों द्वारा रद्द करा दी गयी।

एक ओर तो उपद्रवियों द्वारा एक व्यक्ति की दरिन्दिगी के चलते द्वारा उसके धर्म के लोगों के विरुद्ध जमकर फ़साद किया गया तो दूसरी तरफ़ इसी समाज के लोगों द्वारा उस्मान के विरुद्ध कई कड़े फैसले लिये गए। नैनीताल के मुस्लिम संगठन अंजुमन-ए-इस्लामिया द्वारा उस्मान को मुस्लिम समाज से बहिष्कृत करने का फ़ैसला लिया गया और उसके मस्जिद में प्रवेश पर रोक लगा दी गयी।

साथ ही पीड़ति के इलाज से लेकर उसकी शिक्षा तक का पूरा ख़र्च उठाने की घोषणा की गयी। अंजुमन ने यथाशीघ्र आरोपी को सख़्त से सख़्त सज़ा दिलाने की मांग की तथा इस घृणित कार्य की घोर निंदा की व इसे अमानवीय कृत्य बताया।

परन्तु इस साम्प्रदायिक उपद्रव ने वही सवाल एक बार फिर खड़ा कर दिया कि क्या किसी एक व्यक्ति के अपराध की सज़ा उसके पूरे धर्म व उसके धर्मस्थलों को दी जा सकती

है? और दूसरा यह भी कि बलात्कार जैसे अपराध पर उपद्रवियों का ग़ुस्सा क्या किसी अन्य समाज से जुड़े आरोपियों पर भी कभी उतरते देखा गया?

तीसरा यह भी कि आख़िर वह कौन लोग हैं जो समय समय पर बलात्कारियों व हत्यारों के पक्ष में दिखाई देते हैं? याद कीजिये, इसी उत्तरांचल राज्य में सितंबर 2022 में 19 वर्षीय अंकिता की हत्या एक रिज़ॉर्ट संचालक और भाजपा नेता व पूर्व राज्यमंत्री विनोद आर्य के बेटे पुलकित आर्य, रिज़ॉर्ट मैनेजर सौरभ भास्कर और एक अन्य रिसोर्ट कर्मी अंकित द्वारा कर दी गयी थी।

अंकिता विनोद आर्य के स्वामित्व वाले वंतरा रिज़ॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट की नौकरी कर रही थी। पुलिस के अनुसार अंकिता को रिसोर्ट के 'विशेष ' मेहमानों के साथ 'अनैतिक कार्य' करने के लिए मजबूर किया जा रहा था और जब अंकिता ने इस बारे में मना किया व इस घटना को दूसरों को बताने की बात कही तो उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद अंकिता का शव ऋषिकेश- हरिद्वार मार्ग पर चीला शक्ति नहर के पावर हाउस के पास बरामद किया गया है। उस समय हत्यारे पुलकित का भाई अंकित भी उत्तराखंड में अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग का उपाध्यक्ष था। यह पूरा परिवार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ा है।

अंकिता भी उत्तरांचल की ही बेटी थी और पौड़ी गढ़वाल के डोम श्रीकोट की रहने वालीं थीं। इस घटना के बाद न तो किसी भीड़ का ख़ून खौला न कोई हिंदूवादी संगठन सड़कों पर उतरते नज़र आया? आख़िर क्यों?

हाँ महिला अस्मिता के इन साम्प्रदायिकतावादी उपद्रवियों की भीड़ उस समय हत्यारों और बलात्कारियों के पक्ष में ज़रूर खड़ी दिखाई दी थी जब 2018 में कश्मीर में आठ साल की मासूम बच्ची असिफ़ा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या की घटना अंजाम दी गयी थी।

कई दिनों तक कई लोगों द्वारा मंदिर परिसर के एक कमरे में मंदिर के पुजारी सहित अनेक लोगों द्वारा उसका बलात्कार करने के बाद उसका शव झाड़ियों में फ़ेंक दिया गया था। उस समय राज्य में भाजपा व पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की गठबंधन सरकार थी। पुलिस द्वारा आसिफ़ा की मौत व बलात्कार के सिलसिले में एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी, चार पुलिस अधिकारियों और एक किशोर सहित आठ लोगों को गिरफ़्तार किया गया था।

मगर देश का इतिहास याद रखेगा कि इन आरोपियों की गिरफ़्तारी ने साम्प्रदायिक रूप ले लिया। भाजपा सहित अनेक हिंदूवादी संगठन जम्मू में विरोध प्रदर्शन करने लगे। हिंदूवादी वकीलों द्वारा आरोप पत्र दायर करने के लिए पुलिस को अदालत में प्रवेश करने से रोकने की कोशिश की गयी।

यहाँ तक कि सरकार में शामिल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो मंत्रियों व अनेक विधायकों ने आरोपियों के समर्थन में एक तिरंगा रैली निकाली। विश्व मीडिया में इस शर्मनाक घटना की ख़ूब चर्चा हुई थी।

तो क्या अंकिता व आसिफ़ा की अस्मिता महिला अस्मिता नहीं थी? क्या बिल्क़ीस बानो की अस्मिता महिला अस्मिता का सवाल नहीं है? मणिपुर में नग्न परेड करा दी जाती है किसी का ख़ून नहीं खोलता?

आसाराम जैसे अनेक बलात्कारियों पर किसी का ख़ून नहीं खोलता? हाथरस बलात्कार कांड में भी हत्यारों व बलात्कारियों के समर्थन में लोग जुट जाते हैं? यह आखिर कैसा देश और कैसा न्याय है जहाँ एक विशेष विचारधारा के लोगों को अपराध से नहीं बल्कि अपराधी के धर्म से नफ़रत है?

अव्वल आने की होड़ में छात्रों की आत्महत्याएं चिन्ताजनक

ललित गर्ग

टॉपर संस्कृति के दबाव एवं अव्वल आने की होड़ में छात्रों के द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना एक गंभीर समस्या है। यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है कि हमारी छात्र प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व शिक्षा तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं।

हाल ही में लगातार हो रही छात्रों की दुखद मौतें जहां शिक्षा प्रणाली अतिश्योक्तिपूर्ण प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है, वहीं विचलित भी करती हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था।

पश्चिम बंगाल के आई आई टी खड़गपुर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र मोहम्मद आसिफ कमर का शव उनके हॉस्टल रूम में फंदे से लटका मिला। भुवनेश्वर के कीट में कम समय में दूसरी नेपाली छात्रा की मौत से विश्वविद्यालय की छवि और भारत के विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं।

नीट के पेपर के तनाव में नूपुर ने नीट पेपर के एक दिन पहले फांसी लगाकर जान देना एवं मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता एवं टॉपर संस्कृति की आत्महंता सोच को ही उजागर करती है। निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है।

राजस्थान सरकार की ओर से प्रश्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन केन्द्र सरकार को भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे ताकि छात्रों में आत्महत्या की समस्या के दिन-पर-दिन विकराल होते जाने पर अंकुश लग सके। यह शिक्षाशास्त्रियों, समाज एवं शासन व्यवस्था से जुड़े हर एक व्यक्ति के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

कोचिंग संस्थानों की बढ़ती बाढ़ एवं गलाकाट प्रतिस्पर्धा में छात्र किस हद तक जानलेवा घातकता का शिकार हो रहे हैं।

यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है।

यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे एवं लुभावने वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक चक्रव्यूह बन जाते हैं।

छात्रों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर में अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है।

वाश्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वाश्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है, तभी भारत सशक्त होगा, विकसित होगा।

पारिवारिक दबाव, शैक्षिक तनाव और पढ़ाई में अव्वल आने की महत्वाकांक्षा ने छात्रों के एक बड़े वर्ग को गहरे मानसिक अवसाद में डाल दिया है। युवाओं को भी सोचना होगा कि जिंदगी दोबारा नहीं मिलती।

इसे यूं ही तनाव में आकर ना गंवाएं, बल्कि जिंदगी में आने वाली कठिनाइयों का डटकर मुकाबला करें। पढ़ाई में असफल रहने के कारण कुछ बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। हर परिवार की अपने बच्चों से ज्यादा अपेक्षाएं होती हैं। अधिकतर युवा जिंदगी में आने वाली समस्याओं को बर्दाश्त नहीं कर पाते और वे अपनी बात किसी से साझा तक नहीं करते। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती।

छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं तथाकथित समाज एवं राष्ट्र विकास एवं शिक्षा की विडम्बनापूर्ण एवं त्रासद तस्वीर को बयां करती है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों, उच्च शिक्षा संस्थानों एवं कोंचिंग संस्थानों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं हमारी चिन्ता का सबब बनना चाहिए।

वैसे छात्रों की आत्महत्या कोई नई बात नहीं है, ऐसी खबरें हर कुछ समय बाद आती रहती हैं। रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में कोचिंग संस्थानों में ही नहीं, आईआईटी जैसे संस्थानों में ही 52 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह संख्या इतनी छोटी भी नहीं कि ऐसे मामलों को अपवाद मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए।

बेशक ऐसे हर मामले में अवसाद का कारण कुछ अलग रहा होगा, वे अलग-अलग तरह के दबाव होंगे, जिनके कारण ये छात्र-छात्राएं आत्महत्या के लिए बाध्य हुए होंगे। ऐसे संस्थानों में जहां भविष्य की बड़ी-बड़ी उम्मीदें उपजनी चाहिए, वहां अगर दबाव और अवसाद अपने लिए जगह बना रहे हैं और छात्र-छात्राओं को आत्महंता बनने को विवश कर रहे हैं तो यह एक काफी गंभीर मामला है।

शैक्षणिक दबावों के चलते छात्रों में आत्महंता होने की घातक प्रवृत्ति का तेजी से बढ़ना हमारे नीति-निर्माताओं के लिये चिन्ता का कारण बनना चाहिए। क्या विकास के लम्बे-चौड़े दावे करने वाली भारत सरकार ने इसके बारे में कभी सोचा? क्या विकास में बाधक इस समस्या को दूर करने के लिये सक्रिय प्रयास शुरु किए?

विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निर्माताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिवर्तन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके।

फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रश्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थाई तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं।

छात्रों के सिर पर परीक्षा का तनाव एवं अव्वल आने की दोड़ प्रतिस्पर्धा के दौर में और भी बढ़ गयी है। आज रोजगार के अवसर लगभग समाप्त हैं। ग्रेजुएशन कर चुकने वाला छात्र केवल किसी दफ्तर में ही अपने लिये सम्भावनायें तलाशता है। लेकिन नौकरी नहीं मिलती। बेरोजगारी अवसाद की ओर ले जाती है और अवसाद आत्महत्या में त्राण पाता है। लेकिन कोचिंग संस्थानों एवं शिक्षा के उच्च संस्थान में अवसाद पसरा है और उसके कारण छात्र यदि आत्महत्या करते हैं, तो यह इस उच्च शैक्षणिक संस्थानों एवं कोचिंग संस्थानों के भाल पर बदनुमा दाग है।

यह माना जाता है कि देश की सबसे प्रखर प्रतिभाएं इन्हीं कोचिंग संस्थानों में पहुंचती हैं, जहां लगातार हो रही आत्महत्या की खबरें यह तो बताती ही हैं कि कोचिंग संस्थानों में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा, साथ ही वे बहुत से बच्चों और उनके अभिभावकों के सपने को तो तोड़ते ही हैं लेकिन उनकी उम्मीद की सांसों को ही छीन लेते हैं। बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिवर्तन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके, इन दबावों के कारण ही कुछ छात्र आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं।

जब छात्रों में अव्वल आने की मनोवृत्ति, कैरियर एवं बी नम्बर वन की दौड़ सिर पर सवार होती हैं और उसे पूरा करने के लिये साधन, क्षमता, योग्यता एवं परिस्थितियां नहीं जुटा पाते हैं तब कुंठित, तनाव एवं अवसादग्रश्त व्यक्ति को अन्तिम समाधान आत्महत्या में ही दिखता है।

इनदिनों शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं अभिभावकों की अतिशयोक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाओं के कारण आत्महत्या की घटनाएं अधिक देखने को मिल रही है।

(लेखक पत्रकार एवं स्तंभकार है)

अस्पतालों में महिला मरीजों की यौन सुरक्षा

डा. वरिंदर भाटिया

हाल ही में दिल्ली के साथ लगते हरियाणा के गुरुग्राम क्षेत्र में एक महिला मरीज के यौन उत्पीडऩ से जुड़ी एक घटिया हरकत सामने आई है। यहां के एक अस्पताल में एक एयर होस्टेस के साथ कर्मचारी ने कथित तौर पर यौन शोषण किया। इस दुष्कर्म को उस समय अंजाम दिया गया जब महिला मरीज आईसीयू में वेंटीलेटर पर थी।

महिला ने अपनी शिकायत में बताया था कि 6 अप्रैल को वह वेंटिलेटर पर थी, जब अस्पताल के कुछ कर्मचारियों द्वारा उसका यौन उत्पीडऩ किया गया। इसे डिजिटल रेप के रूप में बताया जा रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल रेप में डिजिटल का मतलब उंगलियों से यौन उत्पीडऩ करना है। इस क्रिया में शारीरिक बलात्कार जैसा कार्य नहीं होता है।

इसे भारतीय कानून के तहत एक गंभीर अपराध माना जाता है। यह पहला मामला नहीं है, जब किसी महिला को अस्पताल में इस तरह की दरिंदिगी और यौन उत्पीडऩ का सामना करना पड़ा है।

इससे पहले भी कई बार इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं। एक जर्नल के अनुसार पूरे भारत में अस्पतालों के अंदर मरीजों का यौन उत्पीडऩ आम बात है। भारत में 4 में से एक भारतीय महिला ने सरकारी अस्पताल में लिंग आधारित हिंसा की शिकायत की है। मौजूदा घटना अपने आप में महिला मरीजों की अस्पतालों में इलाज के दौरान यौन सुरक्षा पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा करने वाली है।

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकेगा कि इस प्रकार की नामुराद घटनाएं पूरे देश में बढ़ रही हैं। कुछ समय पहले कोलकाता में भी ऐसा कांड सामने आया था और पूरे देश में हो-हल्ला मच गया था। कल्पना कीजिए, एक महिला मरीज लगभग कोमा में है, वह वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। जिंदगी और मौत से लड़ रही है, संवेदना की दया पात्र महिला मरीज के खिलाफ अस्पताल का कथित स्टाफ उसकी बेबसी का फायदा उठाकर आईसीयू में वहशीपन की साजिश रचता है।

कुछ बेशर्म महिला बाशिंदों की मौजूदगी में उस महिला की आबरू पर हमला होता है। यह सब अत्यंत शर्मसार करने वाला लगता है। जरा सोचिए उस महिला मरीज के मन की हालत क्या होगी। कुछ वक्त पहले कोलकाता में एक डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था और महिलाओं की सुरक्षा के उपायों में महत्वपूर्ण कमियों को उजागर किया है।

विधायी प्रगति और जागरूकता बढ़ाने के बावजूद, महिलाओं के खिलाफ हिंसा चिंताजनक रूप से उच्च बनी हुई है। घरेलू हिंसा, वैवाहिक बलात्कार, छेड़छाड़, यौन उत्पीडऩ, दहेज से संबंधित अपराध और मानव तस्करी जैसी घटनाओं की संख्या भारत में अभी भी अधिक है। गहरी पैठ वाली पितृसत्तात्मक मानसिकता, आर्थिक असमानताएं और रूढ़िवादी सांस्कृतिक प्रथाएं लगातार लिंग आधारित हिंसा में योगदान करती हैं।

बढ़ती जागरूकता के कारण शहरी क्षेत्रों में ऐसी घटनाओं की रिपोर्टिंग अधिक होती है, जबकि ग्रामीण

क्षेत्रों में कलंक और सीमित सहायता प्रणालियों के कारण ऐसी घटनाएं कम ही रिपोर्ट हो पाती हैं। गुरुग्राम के अस्पताल में उपचाराधीन एक एयर होस्टेस के यौन उत्पीडऩ के मामले में हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने इस मामले पर कहा है कि हरियाणा के प्राइवेट अस्पतालों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए नियम बनाए जाएंगे।

उन्होंने अस्पतालों को महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह भी आदेश किया गया है कि किसी भी अस्पताल में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना अस्पताल का दायित्व होगा। सभी राज्यों के महिला आयोग ऐसे मुद्दों को लेकर उग्रता दिखाए, तो बेहतर होगा।

महिला मरीजों का यौन उत्पीडऩ एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है। कुछ समय पहले यूरोप के एक देश नॉर्वे में एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है। वहां गांव के एक डॉक्टर पर 87 महिलाओं के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। इन महिलाओं की उम्र 14 से 67 साल के बीच है। बताया जा रहा है कि ये घटनाएं पिछले 20 साल से हो रही थीं।

आरोप है कि डॉक्टर इन महिलाओं का उनके घरों और अपने सर्जरी रूम में रेप करता था और वीडियो भी बनाता था। इसे नॉर्वे के इतिहास का सबसे बड़ा यौन शोषण कांड बताया जा रहा है। क्या इस तरह की घटनाएं अपने आसपास तो नहीं हो रही हैं, इसके लिए चौकन्ने रहने की जरूरत है।

हमारे समक्ष कई गंभीर सवाल हैं। एक अस्पताल में महिला मरीज जान बचाने की आस रखता है। वहां अगर उसकी इज्जत लूट ली जाए तो हमारा महिला समाज कितना सुरक्षित है? क्या अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रोटोकॉल हैं? क्या कर्मचारियों के बैकग्राउंड की जांच और प्रशिक्षण पर्याप्त है।

मनोविज्ञान के अनुसार, ऐसी नामुराद हरकतों के लिए अस्पताल में काम करने वाले कुछ अस्पताल कर्मचारियों की दबी हुई यौन कुंठाएं और असंतुष्ट यौन इच्छा जिम्मेवार है, जो हर वक्त महिला मरीज को यौन शिकार बनाने की फिराक में रहती है। पुरुष कर्मचारियों के इस कुत्सित काम में कुछ महिला स्टाफ का विकृत सहयोग यह विदित करता है कि मेडिकल प्रोफेशन की भद्रता संदेह के सवालों के घेरे में है।

इसके लिए अस्पतालों के प्रशासन को और रेग्युलेटरी अर्थॉरिटी को जिम्मेवारी से मुक्त नहीं किया जा सकता। ऐसी घटनाएं हमारे समाज और स्वास्थ्य सिस्टम पर एक बदनुमा दाग हैं। यह एक चेतावनी है कि हमें अपने चिकित्सा संस्थानों और समाज में गहरे प्रशासनिक सुधारों की आवश्यकता है।

देश में महिला सुरक्षा की स्थिति संतोषजनक नहीं है। वर्ष 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 445256 मामले दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4 फीसदी अधिक हैं, यानी हर घंटे लगभग 51 एफआईआर दर्ज की गईं। यह ध्यान देने वाली बात है कि ये सिर्फ दर्ज मामले हैं।

भारत में कई घटनाएं कई कारणों से रिपोर्ट नहीं की जाती हैं। ये कारण पैसे और बाहुबल, सामाजिक कलंक, पारिवारिक दबाव, मौत की धमकी आदि के कारण हो सकते हैं। इसको कैसे काबू किया जा सकता है? 'यत्र नार्यश्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता', इसका अर्थ है कि जहां महिलाओं की पूजा होती है, वहां भगवान निवास करते हैं। भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को संबोधित करने के लिए इस बुरे मुद्दे से निपटने के लिए एक ठोस और बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के चौंकाने वाले आंकड़े कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन, बेहतर लैंगिक संवेदनशीलता और पीड़ितों के लिए बेहतर समर्थन की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं।

अगर भारत की कुल आबादी का आधा हिस्सा सुरक्षित नहीं है, तो लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय हासिल नहीं किया जा सकता है। इसके लिए केंद्र तथा राज्यों की सरकारों को मिलजुल कर काम करना होगा।

(लेखक कालेज के प्रिंसीपल है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोनः 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेलः** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों को तबादला लेना हुआ आसान

पति-पत्नी दोनों के नौकरी करने में बदले गए नियम

लखनऊ, एजेंसी। कैबिनेट से मंजूर स्थानांतरण नीति–2025–26 में कर्मचारियों को कई सहूलियत दी गई है। नीति में मानसिक मंदित और चलने–फिरने में असमर्थ दिव्यांग बच्चों के माता–पिता की तैनाती वहां करने की व्यवस्था की गई है, जहां उनके बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। प्रदेश के 100 आकांक्षी विकास खंड वाले 34 जिलों में किसी भी विभाग में कोई पद खाली नहीं रहेगा। तबादला सत्र के बाद समूह क के साथ ही समूह ख के स्थानांतरण विभागीय मंत्री के माध्यम से मुख्यमंत्री के अनुमोदन से होगा। नियुक्ति विभाग के प्रमुख सचिव एम देवराज ने मंगलवार की शाम स्थानांतरण नीति संबंधी शासनादेश

जारी भी कर दिया। तबादले के लिए कटऑफ डेट 31 मार्च 2025 को माना जाएगा। दायरे में न आने वाले समूह ग के कर्मचारियों का पटल जरूर बदला जाएगा। समूह क व ख की तय सीमा से अधिक स्थानांतरण के लिए सीएम से अनुमति लेनी होगी। समूह ग व घ के 10 प्रतिशत से अधिक होने पर विभागीय मंत्री से अनुमोदन लेना होगा। समूह ग और घ का स्थानांतरण मानव संपदा पोर्टल से होगा। तबादले के बाद कार्यभार मुक्ति और ग्रहण करने की व्यवस्था ऑनलाइन होगी। समूह क के अधिकारियों का उनके गृह जिले में तबादला नहीं होगा। स्थानांतरित कर्मियों को एक सप्ताह में प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किए बिना नए स्थान के लिए कार्यमुक्त किया जाएगा। इसके बाद वे स्वत: कार्यमुक्त माने जाएंगे। नीति में किसी भी संशोधन के लिए मुख्यमंत्री अधिकृत होंगे।

मौलाना शहाबुद्दीन बोले- पाकिस्तान को करारा जवाब... आतंकियों का खात्मा बहुत जरूरी था

बरेली, एजेंसी। आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर खुशी जताते हुए ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि आतंकवाद को पालने वाले पाकिस्तान को करारा जवाब देना बहुत जरूरी था। मौलाना

ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को पालता–पोसता है। बाहर की दुनिया में इस बात से इनकार करता है। चोर की तरह भारत में आतंकवादी हमला कराता है। इसलिए पाकिस्तान और आतंकवादियों पर यह कार्रवाई बहुत ज्यादा जरूरी थी। मौलाना ने कहा कि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के अंदर एयर स्ट्राइक कर आतंकी ठिकानों को तबाह किया है। आतंकवादियों का खात्मा बहुत जरूरी थी। यह बहुत ही अच्छा कदम है। इससे देशवासियों को बेहद खुशी हुई है।
पहलगाम हमले का बदला भारत ने पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक कर लिया है। भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों को तहस–नहस कर दिया। इस बीच बुधवार को देशभर में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल होगा।

भारतीय सेना जिंदाबाद के नारे से गूंज उठी काशी

ऑपरेशन सिंदूर की खुशी में बांटी मिठाई

वाराणसी। , एजेंसी। आधी रात को जब देश के लोग सो रहे थे, उस समय भारतीय सेना ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकवादियों के कैंप पर स्ट्राइक कर नौ आतंकियों के अड्डे को मिट्टी में मिलाने का काम किया गया। पहलगाम में आतंकी हमले में भारतीय महिलाओं का सिंदूर उजाड़ने वाले आतंकियों के लिए भारत का सिंदूर भारी पड़ गया।

ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी होते ही काशी में जश्न का माहौल हो गया। लोग भारत माता का जयकारा लगाते हुए पटाखे फोड़ने लगे। साथ ही गुलाल उड़ाकर और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया।

सुबह- सुबह सामाजिक कार्यकर्ता विशाल भारत संस्थान के मुख्यालय सुभाष भवन में जुट गए। इस दौरान बैंड बाजे के साथ तिरंगा लहराया गया। लोगों ने पीएम मोदी को बधाई देते हुए भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए जयकारे लगाए। भारतीय सेना जिंदाबाद, पीएम नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद, अजित डोवाल जिंदाबाद के नारे से काशी गूंज उठी।

लोगों ने पाकिस्तान पर ये हमला तो अभी झांकी है, लाहौर करांची बाकी है के नारे भी लगाए। महिलाओं ने भी पटाखा जलाकर खुशी जाहिर किया। खुशी जाहिर करते हुए एक दूसरे का मुंह मीठा कराया।

इस अवसर पर विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव ने कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने बहनों का सिंदूर उजाड़ा था। धर्म पूछकर गोली मारी थी। भारतीय सेना ने आतंकियों से बिना धर्म पूछे उनके अड्डो को मिट्टी में मिला दिया। लश्कर, जैश, हिजबुल जैसे आतंकी संगठनों के मुख्यालय उड़ा दिए गए। आतंक की फैक्ट्री पर हमला किया गया। लेकिन यह विराम नहीं है। इस बार पीओके की वापसी कराना है।

मायावती- अखिलेश ने सेना के पराक्रम को सराहा

लखनऊ , एजेंसी। भारतीय सेना ने पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। इस पर राजनीतिक दलों के नेताओं ने सेना के शौर्य की सराहना की है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की भारतीय सेना की 'आपरेशन सिंदूर' कार्रवाई गौरवमय व सराहनीय। बता दें कि भारत ने पाकिस्तान और पीओके के अंदर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसमें आतंकी सरगना हाफिज सईद और मसूद अजहर के ठिकाने शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार भारत ने मुजफ्फराबाद, बहावलपुर, मुरीदके, सियालकोट, कोटली, बाघ, गुलपुर, भिंबेर और शकरगढ़ में आतंक के ठिकानों को निशाना बनाया है।

यूपी में रेड अलर्ट घोषित, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए

लखनऊ , एजेंसी। पहलगाम में आतंकी हमले का जवाब देते हुए भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और आतंकियों के नौ ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। इसके बाद उत्तर प्रदेश में रेड अलर्ट जारी किया गया है। यूपी डीजीपी के एक्स पर जारी किए गए बयान में कहा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। यूपी पुलिस की सभी फील्ड इकाइयों को रक्षा बलों से समन्वय स्थापित करने एवं महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए हैं ।यूपी पुलिस सतर्क है, संसाधनों से लैस है और प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। जय हिन्द ! भारत की सेना ने पाकिस्तान और पीओके के अंदर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसमें आतंकी सरगना हाफिज सईद और मसूद अजहर के ठिकाने शामिल हैं।

मुरादाबाद मंडल में मॉक ड्रिल

सायरन बजते ही जमीन पर लेट गए लोग, दौड़ने लगे दमकल वाहन, अस्पताल में अलर्ट

मुरादाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान से तनाव के बीच आपात स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा के लिए बुधवार को पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल की गई। इसके अलावा जिले में 100 जगहों पर सायरन बजाकर लोगों को सचेत किया गया। दमकल विभाग की गाड़ियां दौड़ती नजर आई। इस बीच थाने, पुलिस चौकी और जिला अस्पताल की इमरजेंसी में स्टाफ अलर्ट नजर आया।

बुधवार रात 8:05 बजे ब्लैक आउट होगा। गृह मंत्रालय के आदेश पर मॉक ड्रिल को लेकर पुलिस, प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग में तैयारियां की थी। जिले में थाने, चौकी और सार्वजनिक स्थानों पर 100 जगह पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगा गया। सुबह साढ़े नौ बजे पब्लिक एड्रेस सिस्टम से सायरन बज उठा।

एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल में हवाई हमले की चेतावनी, ब्लैक आउट, निकासी और प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने जैसे अभ्यास करवाए गए। डीएम अनुज सिंह ने बताया कि ब्लैक आउट की अवधि में विभिन्न शासकीय भवनों, निजी प्रतिष्ठानों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बाहर लगी स्क्रीन, होर्डिंग, साइन बोर्ड को बंद रखे जाएंगे।

आबादी क्षेत्र की कोई पहचान हवाई साधन से न की जा सके। उन्होंने कहा कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य आबादी क्षेत्रों में इस बात की सजगता फैलाना है कि

भविष्य में किसी हवाई हमले की स्थिति में उन्हें किस प्रकार से व्यवहार करना है।

उन्होंने कहा कि ब्लैक आउट की अवधि में यदि कोई निजी वाहन से नगरीय क्षेत्र में यात्रा कर रहा है तो उसे गाड़ी किनारे रोककर हेडलाइट बंद करनी होगी। साथ ही दोबारा सायरन बजने तक का इंतजार करना होगा। ब्लैक आउट अवधि में रेल संचालन और राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलने वाले यातायात को नहीं रोका जाएगा।

हसनपुर के श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज में बुधवार को विशेष मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं को युद्ध की संभावित परिस्थितियों और उनसे बचाव के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। सीओ दीप कुमार पंत ने छात्रों को युद्धकाल में अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों से अवगत कराया। सीओ ने बताया कि अप्रत्याशित युद्ध की स्थिति में घबराने की बजाय धैर्य और समझदारी से काम लेना आवश्यक है। उन्होंने उन्हें सुरक्षित स्थानों की पहचान करने, आवश्यक वस्तुओं का भंडारण करने और अफवाहों से बचने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी समझाया कि यदि हवाई हमले या बमबारी की आशंका हो तो कैसे सुरक्षित तरीके से जमीन पर लेटकर या किसी मजबूत ढांचे की आड़ लेकर अपनी जान बचाई जा सकती है। मॉक ड्रिल में छात्रों को प्राथमिक चिकित्सा के बुनियादी सिद्धांतों के बारे में भी बताया गया, ताकि घायल होने की स्थिति में स्वयं या दूसरों की मदद कर सकें।

उन्हें पट्टी बांधने, रक्तस्राव रोकने और अन्य तात्कालिक उपचारों के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक वरुण कुमार ने बताया कि ऐसे अभ्यास छात्रों को न केवल संभावित खतरों के प्रति जागरूक करते हैं, बल्कि उन्हें विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए मानसिक रूप से भी तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि यह मॉक ड्रिल छात्रों के समग्र विकास और सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। छात्रों ने भी इस अभ्यास में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

आगरा किला और सीकरी के लिए सीईसी दो माह में दाखिल करेगी रिपोर्ट; 5 किमी दायरे में पेड़ कटाई के नए नियम

आगरा , एजेंसी। ताजमहल से 5 किमी की हवाई दूरी के अंदर पेड़ों को काटने पर पूरी तरह से रोक लगा रखी है। यूनेस्को के विश्व धरोहर स्मारकों आगरा किला और फतेहपुर सीकरी के पास पेड़ों की कटाई रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल इंपावर्ड कमेटी से रिपोर्ट तलब की है। कमेटी को दो माह के अंदर दोनों स्मारकों के पास पेड़ों की कटाई पर रोक के नियम और शर्तों का ब्योरा सुप्रीम कोर्ट के सामने दाखिल करना होगा।
मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने ताजमहल और टीटीजेड में पेड़ों को काटने की याचिका 13381/1984 के मामले में दिए गए आदेश को अपलोड किया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सेंट्रल इंपावर्ड कमेटी से पूछा है कि आगरा किला और फतेहपुर सीकरी की सुरक्षा के लिए पेड़ों की कटाई पर क्या प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। सीईसी दो महीने की अवधि के भीतर न्यायालय के समक्ष एक रिपोर्ट दाखिल करेगी।
कोर्ट ने पेड़ों को काटने की अनुमति देने से इंकार किया और सेंट्रल इंपावर्ड कमेटी की सिफारिशों के साथ कुछ शर्तें भी जोड़ी हैं। इसमें कहा गया है कि टीटीजेड के अंदर, पर ताज के 5 किमी से बाहर के क्षेत्र में अनुमति प्रदान करते समय डीएफओ और सीईसी तब तक अनुमति नहीं देंगे, जब तक वनारोपण की सभी शर्तों का पालन नहीं हो जाता। तब तक वास्तविक पेड़ों को गिराने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्हें यह सत्यापित करके देना होगा।
सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि डीएफओ और सीईसी पेड़ काटने की अनुमति देते हैं तो 15 दिन के अंदर कोर्ट के सामने विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। जब शर्तों का पालन कर दिया जाएगा, तब नई रिपोर्ट दायर की जाएगी। पेड़ों की छंटाई और काट छांट से पहले और बाद की तस्वीरों को अपलोड करने की व्यवस्था जारी रहेगी।
सुप्रीम कोर्ट ने एग्रो फॉरेस्ट्री के तहत निजी भूमि पर पेड़ों की कटाई के लिए अनुमति प्राप्त करने की शर्त में ढील देने की मांग वाली केसी जैन की याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अगर एग्रो फॉरेस्ट्री के तहत पेड़ों की कटाई की अनुमति दी जाती है तो 1984 से सुप्रीम कोर्ट के दिए गए आदेश पूरी तरह से विफल हो जाएंगे। लोगों को इससे बिना अनुमति के पूरी तरह से विकसित पेड़ों को काटने का लाइसेंस मिल जाएगा। इससे टीटीजेड में पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। केसी जैन की याचिका आगरा को आधुनिक शहर के रूप में विकसित करने के उद्देश्य के बिल्कुल विपरीत है। इसलिए उनके आवेदन खारिज किए जाते हैं।

तीन साल की छात्रा के साथ स्कूल में दुष्कर्म का आरोप, मुकदमा दर्ज, खंगाले जा रहे सीसीटीवी फुटेज

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ के आगरा रोड पर स्थित गगन पब्लिक स्कूल के प्ले वे ग्रुप में पढ़ने वाली तीन साल की छात्रा के साथ स्कूल में दुष्कर्म का आरोप लगा है। छात्रा की मां ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस ने छात्रा का मेडिकल परीक्षण कराया है। वहीं स्कूल प्रबंधन का कहना है कि क्लास में गिरने से बच्चे के चोट लगी थी। सासनीगेट क्षेत्र के एक इलाके में रहने वाली यह बच्ची प्ले वे ग्रुप में नर्सरी की छात्रा है। इसका 19 अप्रैल को ही यहां दाखिला कराया गया है। छात्रा की मां के अनुसार स्कूल की छुट्टी होने पर रोजाना की तरह 6 मई को जब वह बेटी को लेने के लिए स्कूल पहुंचीं तो बेटी को चलने में काफी परेशानी हो रही थी। इस पर वह उसे गोद में लेकर घर आ गई। यहां कपड़े बदलने के दौरान उसके शरीर पर खून नजर आया। जब उन्होंने बेटी से पूछा तो वह रोने लगी। कुछ देर बाद मां बेटी को लेकर स्कूल पहुंची और अपनी शंका के बारे में स्कूल प्रबंधन को जानकारी दी। मां का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन पहले लीपापोती करने लगा। फिर बताया कि बेटी को गिरने से चोट आई थी। जब उन्होंने सवाल उठाया कि यदि चोट आई थी तो उन्हें बताया क्यों नहीं गया। इसका जवाब नहीं दे पाए। यहां तक कि सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में बेटी कमरे से काफी देर तक गायब नजर आ रही है। बाद में बच्ची को परिवार वाले आगरा रोड के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां बच्ची की हालात देखकर डॉक्टरों ने इलाज से पहले मामला पुलिस को बताने को कहा। इसके बाद पुलिस की मदद ली गई। एएसपी मयंक पाठक ने बताया कि मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। चिकित्सकीय परीक्षण करा लिया गया है मगर अभी रिपोर्ट नहीं आई। रिपोर्ट से ही स्थिति साफ होगी।

स्टेट बैंक की शाखा में 14.60 लाख का घोटाला

निष्क्रिय खाते को सक्रिय कर दिया अंजाम

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की माल रोड स्थित पर्सनल बैंकिंग ब्रांच (पीबीबी) में 14.60 लाख रुपये का घोटाला सामने आया है। करीब तीन साल से निष्क्रिय खाते को सक्रिय करके चार बार में रकम निकाली गई। मामले को उच्च अधिकारी कई दिनों तक दबाए रहे। एक मई को आए गुमनाम पत्र से फर्जीवाड़े का पता चला। मामले में जांच शुरू कर दी गई है। एसबीआई की ऑफिसर्स एसोसिएशन के एक पदाधिकारी समेत कई अफसर-कर्मचारी इसमें फंस गए हैं। बैंक के मुख्य महाप्रबंधक को भेजे गए पत्र में बताया गया कि 121-363 सिविल लाइंस कानपुर नगर कटरी बिठूर कला निवासी शिरोमणि यादव का 19 जुलाई 2006 से बैंक में खाता (संख्या 11022343963) है। इस खाते में कोई भी मोबाइल नंबर दर्ज नहीं है। खाते में 14,60,500 रुपये थे। इस खाते में लंबे समय से लेनदेन न होने के कारण इसे 2022 में निष्क्रिय कर दिया गया। पत्र में बताया गया कि बैंक में उप प्रबंधक स्तर के अधिकारी एसबीआई ऑफिसर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी भी हैं।

पांच लाख का भुगतान नॉन होम शाखा से कराया– वह शहर स्थित क्षेत्रीय रीजन कार्यालय द्वितीय में कार्यरत हैं। इन्होंने अन्य अफसरों और कर्मियों के साथ मिलकर फर्जी ई-केवाईसी करके इस निष्क्रिय खाते को 25 मार्च 2025 को सक्रिय करवाया। दो अप्रैल को खाते से पहली बार में पांच लाख का भुगतान नॉन होम शाखा विश्व बैंक बर्रा से कराया गया। फिर 4 अप्रैल को पांच लाख का भुगतान पीबीबी कानपुर से कराया गया। इसके बाद 9 अप्रैल 2025 को फिर बर्रा विश्व बैंक शाखा से 4.60 लाख रुपये निकाले गए।

शातिराना अंदाज में किया घोटाला– खास बात यह है कि यह घोटाला बेहतर शातिराना अंदाज में और षड्यंत्र के तहत किया गया। खाताधारक

शिरोमणि यादव का पता 121-363 सिविल लाइंस कानपुर नगर कटरी बिठूर कला दर्ज है। सिविल लाइंस और कटरी बिठूर शहर के दो छोर हैं। जाहिर है फर्जी केवाईसी से चेक बुक जारी कराई गई। इसके बाद दूसरी शाखा से रकम निकाल ली गई। बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय द्वितीय की ओर से 14 जुलाई 2022 को इस खाते पर रोक (स्टॉप) लगाई गई थी।

500 रुपये का भुगतान करवा कर खाता सक्रिय कराया– दरअसल निष्क्रिय खाते को सक्रिय करवाने में आधार आधारित बायोमीट्रिक प्रक्रिया होती है। इसमें संबंधित खाताधारक के अंगूठे या मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी के जरिए केवाईसी कराया जाता है। 25 मार्च 2025 को यह प्रक्रिया पीबीबी में करवाई गई और इसी दिन खाते पर लगी लेनदेन की रोक को हटवाया गया।

बैंक का ओटीएमएस सिस्टम कर रहा घोटाले की ओर इशारा

बैंकों ने खातों में होने वाले सभी लेनदेन पर नजर रखने के लिए एक ऑनलाइन ऑटोमेटिक सिस्टम (ओटीएमएस) बनाया है। यह बैंक के डेटा सेंटर पर काम करता है और किसी भी असामान्य लेनदेन पर उस खाते की आधार ब्रांच को ई-मेल के जरिए इसकी सूचना देता है।

फिर से निष्क्रिय खाता बना दिया गया– संबंधित शाखा के प्रबंधक या अधिकारी की जिम्मेदारी होती है कि उस खाते के लेनदेन की ग्राहक से पुष्टि कराई जाए। संबंधित लेनदेन में कोई गड़बड़ी या घोटाला है तो तत्काल रिपोर्ट की जाए। इस मामले में भी ओटीएमएस ने अलर्ट भेजा तो पीबीबी के अधिकारी या कर्मचारी ने उस पर संदेहात्मक लिखकर नौ अप्रैल 2025 को फिर से रोक लगा दी। यानी उसे फिर से निष्क्रिय खाता बना दिया गया।

धर्मशाला हवाई अड्डा बंद...

शिफ्ट होगा मुंबई-पंजाब का IPL मैच?

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 9 ठिकानों पर मिसाइल हमले किए. इसके बाद से देश में उत्तर और पश्चिम हिस्सों के कम से कम 18 हवाई अड्डे बंद कर दिए गए हैं, जिनमें श्रीनगर, जेह, जम्मू, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, जोधपुर, जैसलमेर, शिमला, धर्मशाला और जामनगर शामिल हैं.

...तो शिफ्ट होगा मुंबई-पंजाब का मैच?

पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर भारत के मिसाइल हमले के बाद धर्मशाला हवाई अड्डा अस्थायी रूप से बंद होने के कारण आईपीएल टीमों की यात्रा का कार्यक्रम प्रभावित हुआ है, जिन्हें वहां खेलना है.

धर्मशाला में गुरुवार को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मैच होना है. इसके बाद 11 मई को पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस का मैच वहां खेला जाना है. मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच 11 मई को धर्मशाला में होने वाला मैच अब मुंबई में शिफ्ट हो सकता है. धर्मशाला पंजाब किंग्स टीम का दूसरा घरेलू मैदान है. पंजाब टीम को यात्रा संबंधी फिलहाल कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि वे इस हफ्ते के अंत तक वहीं रहेंगे. दिल्ली को देखना होगा कि उसके खिलाड़ी वापस कैसे आएंगे, जिन्हें रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम पर गुजरात टाइटन्स से खेलना है. मुंबई टीम का यात्रा कार्यक्रम भी अभी अनिश्चित है. बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा,'इस समय सब कुछ अनिश्चित है.

टीमों से बात चल रही है और वे भी विचार कर रहे हैं कि हवाई अड्डा बंद रहने पर धर्मशाला से दिल्ली वापस कैसे आना है. उन्होंने कहा ,'दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक विकल्प बस से लौटने का है, लेकिन सिर्फ टीमें नहीं... बल्कि प्रसारण टीम और उपकरण भी हैं.'

इंटर मिलान चैंपियंस लीग 2024-25 के फाइनल में बार्सिलोना को 7-6 से हराया; पहला लेग ड्रॉ रहा था, जबकि दूसरा लेग 4-3 से जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटर मिलान ने बार्सिलोना को हराकर चैंपियंस लीग 2024-25 के फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। मंगलवार को खेले गए दूसरे लेग में इंटर ने बार्सिलोना को 4-3 से हराया और कुल मिलाकर 7-6 से फाइनल में प्रवेश किया। इसके पहले बार्सिलोना के मोंटजुइक ओलिंपिक स्टेडियम में खेले गए पहले लेग में इंटर और बार्सिलोना का मुकाबला ड्रॉ रहा था।

21 वें मिनट में ही इंटर ने ले ली बढ़त मैच के 21वें मिनट में ही इंटर ने गोल कर 1-0 की बढ़त ले ली। इंटर के लौटरो मार्टिनेज ने मैच के 21वें मिनट में डेनजेल डमफ्रीज के पास पर गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

मैच के 45वें मिनट में हकन चालहानोग्लू ने गोल कर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी। हाफ टाइम के बाद बार्सिलोना ने वापसी की और बार्सिलोना की ओर से मैच के 54वें मिनट में एरिक गार्सिया ने गेरार्ड मार्टिन के क्रॉस को गोल में तब्दील कर स्कोर 1-2 कर दिया। वहीं 60 वें मिनट में डैनी ओल्मो ने मार्टिन की एक पास को हेडर से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा कर स्कोर 2-2 कर दिया। वहीं 87वें मिनट में बार्सिलोना की ओर से राफिन्हा ने गोल कर टीम को 3-2 से बढ़त दिला दी। ऐसा लगा कि अब बार्सिलोना का जीतना तय है, तभी इंटर के फ्रांसेस्को एसरबी ने गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया। डेविड फ्रेटेसी ने इंटर के लिए चौथा गोल कर टीम को जीत दिलाई वहीं 99 वें मिनट में इंटर ने फिर से बढ़त हासिल कर ली। इंटर की ओर से डेविड फ्रेटेसी ने गोल कर स्कोर को 4-3 कर दिया। इस तरह 7-6 से इंटर ने फाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

मिशेल ओवेन को पंजाब किंग्स में मिली जगह, चोटिल ग्लेन मैक्सवेल की जगह टीम में शामिल हुए

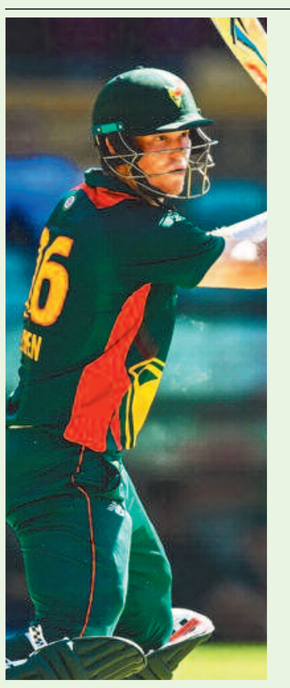

धर्मशाला, एजेंसी। चोटिल ग्लेन मैक्सवेल की जगह ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिशेल ओवेन को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के शेष सत्र के लिए पंजाब किंग्स की टीम में शामिल किया गया है। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने 23 वर्षीय ओवेन का टीम में स्वागत करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हम सभी इस सत्र के अंतिम चरण के लिए मिशेल ओवेन को अपनी टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे मैंने पिछले 12 महीनों में बहुत करीब से देखा है।

वह ऐसा खिलाड़ी है जो अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी कर सकता है और साथ ही कुछ बहुत ही उपयोगी मध्यम गति की गेंदबाजी भी कर सकता है। मैं उसे टीम का हिस्सा बनाकर वास्तव में उत्साहित हूं और जल्द से जल्द उसके यहां आने का इंतजार कर रहा हूं। तीन करोड़ रुपए में पंजाब किंग्स में शामिल हुए ओवेन ने 34 टी20 मैचों में कुल 646 रन बनाए हैं और 10 विकेट लिए हैं। उनके नाम दो शतक भी हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 108 है। टीम में शामिल होने पर ओवेन ने कहा, 'मैं पंजाब किंग्स में शामिल होने का अवसर पाकर वास्तव में उत्साहित हूं। पंजाब किंग्स के मुख्य कार्यकारी सतीश मेनन ने कहा, ''हमें विश्वास है कि मिच ओवेन के पास आईपीएल में कामयाब होने के लिए कौशल और स्वभाव है।

कोई आप पर पत्थर फेंके तो उस पर फूल फेंको, लेकिन गमले के साथ, भारतीय क्रिकेट जगत ने ऑपरेशन सिंदूर पर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल जगत की हस्तियों ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की एयरस्ट्राइक पर प्रतिक्रिया दी है। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर, पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह व सुरेश रैना उन पहले खिलाड़ियों में शामिल रहे, जिन्होंने भारतीय सेना द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की खुलकर सराहना की।

यह ऑपरेशन 6 और 7 मई की रात को अंजाम दिया गया। सेना ने 9 ऐसे स्थानों पर सटीक हमला किया, जिन्हें आतंकी गतिविधियों के लिए अहम माना जाता था। यह कार्रवाई पहलगाम में हुए आतंकी हमले (जिसमें 26 निर्दोष लोग मारे गए थे) के जवाब में की गई थी। अधिकारियों ने इसे सोच-समझकर किया गया, संयमित लेकिन ठोस जवाब बताया।

गौतम गंभीर, पूर्व क्रिकेटर व कमेंटेटर आकाश चोपड़ा और प्रज्ञान ओझा ने सबसे पहले सोशल मीडिया पर सेना की तारीफ करते हुए जय हिंद लिखा।

राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने भी सोशल मीडिया पर लिखा, जय हिंद, यह हमारे निर्दोष भाइयों की निर्मम हत्या का जवाब है। सुरेश रैना ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस ऑपरेशन से जुड़ी तस्वीर साझा कर सेना का समर्थन किया। सचिन तेंदुलकर ने भी एक्स पोस्ट पर लिखा, भारत की ढाल उसके लोग हैं। इस दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। हम एक टीम हैं!जय हिंद

पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, अगर कोई आप पर पत्थर फेंके तो उसपर फूल फेंकों, लेकिन गमले के साथ। जय हिंद।

आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेल रहे वरुण चक्रवर्ती ने भी इस ऑपरेशन की फोटो इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा की।

पूर्व गेंदबाज चेतन शर्मा ने कहा, जब बात सुरक्षा की हो, तो भारत संकोच नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर कोई जवाब नहीं, बल्कि एक सख्त संदेश है। पूर्व महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी ने भी कहा, सटीकता, उद्देश्य और ताकत – भारत इसी तरह जवाब देता है।

सेना के अनुसार, इस ऑपरेशन में जिन 9 ठिकानों को निशाना बनाया गया, वे जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों से जुड़े थे।

खास बात यह रही कि इस कार्रवाई में आम लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया और न ही पाकिस्तानी सेना की किसी संपत्ति को नुकसान हुआ। यह भारत की सीमित लेकिन मजबूत आतंकवाद विरोधी नीति को दर्शाता है। यह कार्रवाई गहरी खुफिया जानकारी के बाद की गई। सरकार ने साफ कहा कि यह सिर्फ ताकत दिखाने के लिए नहीं, बल्कि आतंकियों को जवाबदेह ठहराने के लिए था। इसका उद्देश्य यह था कि बिना किसी बड़े संघर्ष में उलझे, आतंकियों के ठिकानों को खत्म किया जाए। देशभर में इस ऑपरेशन के बाद सोशल मीडिया पर ऑपरेशन सिंदूर, जय हिंद, इंडियन आर्मी जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं।

आईपीएल 2025:

नेहरा जी पर BCCI का एक्शन... हार्दिक पंड्या और उनकी टीम को भी लगी चपत

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का 56वां मैच गुजरात टाइटन्स के खाते में गया और यह टीम मुंबई इंडियंस को हराकर प्वाइंट्स टेबल में नंबर-1 पर पहुंच गई. मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या और उनकी टीम पर धीमी ओवरगति के लिए भारी जुर्माना लगाया गया.

उधर, गुजरात टाइटन्स के मुख्य कोच आशीष नेहरा पर खेलभावना के विपरीत आचरण के लिए जुर्माना और डिमेरिट अंक लगाए गए. मुंबई को आईपीएल के वर्षाबाधित मैच में गुजरात ने डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर 3 विकेट से हराया.आईपीएल ने एक बयान में कहा,'यह आईपीएल आचार संहिता के तहत इस सीजन में उनकी टीम का धीमी ओवरगति का दूसरा अपराध था. पंड्या पर 24 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया है.' मुंबई की बाकी टीम और सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों पर 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो कम हो,

जुर्माना लगाया गया है. नेहरा की गलती के बारे में विज्ञप्ति में बताया नहीं गया, लेकिन बार-बार बारिश के कारण मैच रुकने के दौरान उन्हें आपा खोते देखा गया. वह मैदानी अंपायरों से भी बार-बार बात कर रहे थे.

आईपीएल ने कहा,'गुजरात टाइटन्स के मुख्य कोच आशीष नेहरा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के कारण एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया. उन्होंने लेवल एक का अपराध किया है जो खेलभावना के विपरीत आचरण के संबंध में है. उन्होंने सजा स्वीकार कर ली है.'

श्रेयस अय्यर बाहर, साई सुदर्शन को मौका पूर्व

भारतीय सेलेक्टर ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय खिलाड़ियों का किया चयन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू होने वाले 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह भारत के लिए अहम दौरा होगा क्योंकि टीम इंडिया इस टेस्ट सीरीज के जरिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की शुरुआत करेगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में मिली हार और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद भारत इंग्लिश टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज करना चाहेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान अभी किया जाना बाकी है, लेकिन उससे पहले भारतीय टीम के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने कुछ ऐसे खिलाड़ियों के नाम बताए हैं जो उन्हें लगता है कि इस दौरे पर टीम इंडिया का हिस्सा बन सकते हैं। प्रसाद ने इस दौरे के लिए श्रेयस अय्यर को सिरे से खारिज कर दिया जबकि उन्होंने विश्वास दिलाया की गुजरात के ओपनर बल्लेबाज साई सुदर्शन टीम का हिस्सा बन

सकते हैं। साई सुदर्शन आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के लिए शानदार बैटिंग कर रहे हैं और फॉर्म में हैं। पीटीआई से बातचीत में एमएसके प्रसाद ने कहा कि बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा के बैकअप ओपनर के तौर पर इंग्लैंड सीरीज के लिए टीम में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि साई को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम का हिस्सा होना चाहिए। अगर रोहित टीम का हिस्सा होते हैं तो वह जायसवाल के साथ ओपनिंग करेंगे और साई बैकअप ओपनर हो सकते हैं। मैं यह फैसला चयनकर्ताओं पर छोड़ता हूं। सीरीज आगे बढ़ने पर साई को मौका भी मिल सकता है।

प्रसाद ने कहा कि अर्शदीप सिंह को टीम में होना चाहिए क्योंकि बाएं हाथ का तेज गेंदबाज इंग्लैंड की परिस्थितियों में उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने अपनी पसंदीदा टीम से श्रेयस अय्यर को बाहर रखा। उन्होंने इस दौरे के लिए रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव को पसंदीदा स्पिनर के रूप में टीम में जगह मिलने की बात कही। उन्होंने कहा कि अर्शदीप मेरी पहली पसंद होगी। इंग्लिश परिस्थितियों में आपको बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की जरूरत होती है। यह लड़का गेंद को दोनों तरफ घुमाने में सक्षम है। 100 टी20 विकेट लेने के बाद, मुझे लगता है कि वह खेल की बारीकियों को समझने लगा है और उसके पास काउंटी का भी अनुभव है।

स्वर्ण पदक जीतकर चमके वेदांत नितिन, हरियाणा के रोहित और पंजाब के अमितोज ने जीते पदक

पटना, एजेंसी। स्वर्ण पदक जीतकर वेदांत नितिन चमक उठे। वहीं, हरियाणा के रोहित और पंजाब के अमितोज ने भी पदक जीता। बिहार की मेजबानी में खेलो इंडिया यूथ गेम्स शानदार तरीके से हो रहा है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की शूटिंग प्रतियोगिता के तीसरे दिन महाराष्ट्र के वेदांत नितिन ने 50 मीटर थ्री पोजीशंस राइफल (पुरुष युवा वर्ग) में 452.5 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनके बाद हरियाणा के रोहित कन्यन ने 451.9 अंकों के साथ रजत और पंजाब के अमितोज सिंह ने 440.1 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। जीत के बाद वेदांत ने कहा, पिछली खेलो इंडिया प्रतियोगिता में मैं एक बार पांचवें स्थान पर था, इसलिए इस बार थोड़ा नर्वस था। लेकिन अब जब मैंने गोल्ड जीता है, तो यह बहुत खास है। मैं 2022 से खेलो इंडिया से जुड़ा हूं और सरकार की आर्थिक सहायता से चीजें काफी आसान हो गई हैं।

जेमिमा ने 115 दिन बाद जड़ा शतक, सबसे बड़ा वनडे स्कोर बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका में चल रही ट्राई-सीरीज में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के बल्लेबाजों ने साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों पर पूरी तरह से अपना दबदबा बनाए रखा. इस दबदबे की एक वजह स्मृति मंधाना की बल्लेबाजी तो रही ही, जिसने बेहतरीन आगाज दिलाने का काम किया. लेकिन, उस आगाज को सही अंजाम दिया जेमिमा रोड्रिग्ज ने, जिन्होंने ना सिर्फ मैच में शतक लगाया बल्कि अपने वनडे करियर का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया. जेमिमा ने भारतीय महिला वनडे टीम के लिए 7 साल पहले डेब्यू किया था. वो 2018 से वनडे क्रिकेट भारत के लिए खेलती आ रही हैं. लेकिन, वो अपने करियर के सारे शतक इस साल यानी साल 2025 में जड़ती दिख रही है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ 7 मई को कोलंबो में खेले मुकाबले में जेमिमा रोड्रिग्ज ने जो शतक जड़ा, वो उनके वनडे करियर का दूसरा शतक रहा और सबसे बड़ा स्कोर भी. इससे पहले उन्होंने अपना पहला वनडे शतक 115 दिन पहले यानी इसी साल 12 जनवरी को आयरलैंड के खिलाफ जड़ा था.

88 रन स्मृति मंधाना के साथ मिलकर मारे: जेमिमा रोड्रिग्ज ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 101 गेंदों का सामना करते हुए 15 चौके और 1 छक्के की मदद से 123 रन बनाए, जो कि उनके वनडे करियर का बेस्ट स्कोर है. इस पारी के दौरान जेमिमा ने 88 रन अपनी टीम के स्कोर बोर्ड में सिर्फ स्मृति मंधाना के साथ साझेदारी कर जोड़े. दोनों के बीच ये पार्टनरशिप 99 गेंदों में हुई, जिसमें जेमिमा का योगदान 48 गेंदों में 53 रन का रहा.

और बन गया सबसे बड़ा स्कोर: इन दो बड़ी साझेदारियों के दम पर ही जेमिमा रोड्रिग्ज ने ना सिर्फ शतक लगाया बल्कि अपने वनडे करियर का सबसे बड़ा स्कोर बनाया. पहले उनका बड़ा स्कोर 102 रन था.

लेकिन अब उन्हें उनके 123 रन के लिए जाना जाएगा.

दीप्ति शर्मा के साथ जेमिमा ने की सबसे बड़ी पार्टनरशिप: स्मृति के अलावा जेमिमा ने अपनी सबसे बड़ी वनडे पारी के दौरान एक और बड़ी साझेदारी टीम के लिए दीप्ति शर्मा के साथ की. इन दोनों ने 115 गेंदों पर 122 रन टीम के स्कोर बोर्ड में जोड़े, जो कि भारतीय पारी में हुई सबसे बड़ी पार्टनरशिप रही. इसमें जेमिमा रोड्रिग्ज का योगदान 53 गेंदों पर 70 रनों का रहा.